प्रकासित वाक्य

इ किताबे क बारे मँ यूहन्ना कहेस

1 इ ईसू मसीह क प्रकासित वाक्य अहइ जउन ओका
परमेस्सर स इ बदे मिला अहइ जइसे कि जउन बात
होइवाली अहइ, ओनका अपने सेवकन क दिखावा जाइ।
आपन दूत भेजके मसीह अपने सेवक यूहन्ना क इसारा
कइके बताएस। [2]यूहन्ना जउन कछू देखे रहा, ओकरे
बावत बताएस। इ उ सच्चाई अहइ जेका ईसू मसीह बताए
रहा। इ उ संदेस अहइ जउन परमेस्सर क अहइ। [3]उ
मनई धन्य अहइ जउन परमेस्सर क भविस्सबाणी क
नीक संदेस क पढ़त ह, अउर सुनत ह अउर उ पचे धन्य
अहइँ जउन बातन एहमाँ लिखी अहइँ, जे ओनकइ
पालन करत ह। काहेकि परिपूर्ण क समइ नजदीक
अहइ।

कलीसियन क नाउँ यूहन्ना क संदेस

[4]यूहन्ना कइँती स एसिया प्रान्त* मँ बरकरार सात
कलीसियन क नाउँ उ परमेस्सर कइँती स जउन अहइ,
जउन हमेसा स रहा अउर जउन आवइवाला अहइ, ओन
सात आतिमा कइँती स जउन ओकरे सिंहासन क सामने
अहइँ। [5]अउर उ ईसू मसीह कइँती स जउन बिसवास
भरा साच्छी, मरा मनइयन मँ पहिला जी उठइ वाला
अउर धरती क राजन क राजा अहइ तोहका कृपा
अउर सान्ति मिलइ।

उ जउन हमसे पिरेम करत ह अउर जउन आपन
खून स हमका पचे क आपन पापन स छुटकारा देवाएस।
[6]उ हमका एक राज्य अउर अपने परमपिता परमेस्सर
क सेवा मँ याजक होइ क बनाएस। ओकर महिमा अउर
पराक्रम हमेसा बरकरार रहइ। आमीन!

[7]देखा, बादलन क साथ मसीह आवत अहइ। हर
एक आँखी ओकर दर्सन करी। एहमॉ ओनइ सामिल
अहइँ जउन ओका मारे रहेन।* धरती क सब मनई
ओकरे कारन रोइहीं। हाँ! सचमुच अइसा होइ! आमीन।

[8]सबसे बड़ी ताकतवाला पर्भू परमेस्सर, जउन
बरकरार अहइ, हमेसा हमेसा स रहा अउर जउन
आवइवाला अहइ, कहत अहइ, "मइँ अलफा (आदि)
अउर ओमेगा (अन्त) दुइनउँ अही।"

[9]मइँ, यूहन्ना अउर ईसू मँ तोहार भाई अहउँ। हम
संग संग ईसू मँ अही अउर ईसू क कारण अत्याचार,
राज्य अउर धीरज मँ भरी सहनसीलता मँ तोहार साच्छी
अही। परमेस्सर क बचन अउर ईसू क साच्छी देइ क
कारण मइँ पतमुस* नाउँ क द्वीप मँ रहेउँ। [10]पर्भू क
दिन मइँ आतिमा क वसीभूत हो उठेउँ अउर मइँ अपने
पाछे तुरही क एक तेज आवाज सुनेउँ। [11]उ कहत रही,
"जउन कछू तू देखइ अहा, ओका एक किताब मँ लिख
द्या अउर फिन ओका इफिसुस, स्मुरना, पिरगमुन,
थूआतीरा, सरदीस, फिलादेलफिया अउर लौदीकिया क
सातउ कलीसियन क भेज द्या।"

[12]फिन इ देखइ क बदे कि इ आवाज केकर आटइ
जउन मोसे बोलत रही, मइँ मुड़ेउँ अउर जब मइँ मुड़ेउँ
तउ मइँ सोने क सात दीपाधार देखेउँ। [13]अउर ओन
दीपाधारन क बीच मइँ एक आदमी क देखेउँ जउन
"मनई क पूत" क जइसा कउनउ मनई रहा। उ अपने
गोड़े तक लम्बा चोगा पहने रहा। अउर ओकरी छाती प
एक सुनहरी पटका लिपटा रहा। [14]ओकर मूँड़ अउर
बाल सफेद ऊन क तरह उज्जर रहेन। ओकर आँखिन
आगी क चमचमात लपट क तरह रहिन। [15]ओकै पैर
भट्ठी मँ अबहीं अबहीं तपावा गवा कांसा क नाईं दमकत
रहेन। ओकर आवाज तमाम पानी क धारा क गरज क
तरह रही। [16]अउर उ अपने दहिने हाथे मँ सात तारा धरे
रहा। ओकरे मुँह स एक तेज दुधारी तलवार बाहर
निकरत रही। ओकर तस्वीर तेज दमकत सूरज क तरह
उज्जर रही।

[17]मइँ जब ओका देखेउँ तउ मइँ ओकरे पैर प
अइसेन गिर पड़ेउँ जइसेन मरा मनई गिरइ। फिन उ
आपन दहिना हाथ मोरे ऊपर रखेस अउर कहेस, "डेराय
न जा, मइँ पहिला अहउँ अउर मइँ आखिरी अहउँ।
[18]मइँ उहइ अहउँ जउन जिअत अहउँ। मइँ मरि ग रहेउँ
मुला देखा, अब मइँ हमेसा हमेसा क बदे जिन्दा अहउँ।
मोरे पास मृत्यु अउर अधोलोक* क चाभी अहइ। [19]तू
जउन कछू देखे अहा, जउन कछू होत अहइ, अउर कछू
आगे होइवाला अहइ ओका लिखत जा। [20]इ जउन सात

एसिया प्रान्त एसिया माइनर क एक प्रान्त।

मोर रहेन लखइँ यूहन्ना 19:34

पतमुस एजिअन समुददर मँ एसिया माइनर क तट क निअरे एक ठु छोटा सा द्वीप जउन आजुकल टर्की कहा जात ह।

अधोलोक जहाँ लोग मरइ क बाद जात हीं।

तारा अहइँ जेनका तू मोरे हाथे मँ देखत अहा अउर जउन इ सात दीपाधार अहइँ एनकइ सबन क गुप्त रहस्य अहइ: इ सात तारा सात कलीसियन क सरगदूतन अहीं अउर इ सात दीपाधार सात कलीसियन अहीं।

इफिसुस की कलीसिया क मसीह क संदेस

2 "इफिसुस क कलीसिया क सरगदूत क इ लिखा:
"उ जउन अपने दहिने हाथे मँ सात तारन क धारन करत ह अउर जउन सात दीपाधारन क बीच घूमत ह, इ तरह कहत अहइ [2]मइँ जानत अहउँ जउन तू करत अहा अउर, कड़ी मेहनत अउर धीरज भरी सहनसीलता क जानित हउँ अउर मइँ इहइ जानित हउँ कि तू बुरा मनइयन क राह नाहीं पउत्या अउर तू ओनका परखे अहा जउन कहत अहइँ कि उ पचे प्रेरितन बाटेन मुला सही मँ नाहीं अहइँ। तू ओनका झूठा पाए अहा। [3]मइँ जानित हउँ कि तोहरे मँ धीरज अहइ अउर मोरे नाउँ प तू कठिनाई झेले अहा। अउर तू थका नाहीं अहा।

[4]"मुला मोरे लगे तोहरे विरोध मँ इ अहइ: तू पिरेम छोड़ दिहे अहा जउन सुरुआत मँ तोहरे मँ रहा। [5]इ बदे याद करा कि तू कहाँ स गिरा अहा, आपन मनफिराव अउर उ करा जेका तू सुरुआत मँ करत रह्या, जदि तू पछतावा न करब्या तउ मइँ तोहरे लगे आउब अउर तोहरे दीपाधार क ओकरी जगह स हटाइ देब। [6]मुला इ बात तोहरे हित मँ अहइ कि तू नीकुलइयन* क काम स नफरत करत अहा, जेनसे मइँ भी नफरत करत हउँ।

[7]"जेकरे लगे कान अहइँ, उ ओका सुनइँ जउन आतिमा कलीसियन स कहत अहइ। जे विजय पाई मइँ उही परमेस्सर क बगिया मँ लगा जीवन क पेड़ स फल खाइ क अधिकार देब।

स्मुरना की कलीसिया क मसीह क संदेस

[8]"स्मुरना क कलीसिया क सरगदूत क इ लिखा:
"उ जउन पहिला अह अउर जउन आखिरी अहइ जउन मर ग रहा अउर फिन स जी उठा। [9]उ कहेस मइँ तोहरे साथ जउन अत्याचार भवा ओका अउर तोहरी दीनता दुइनउँ क जानत हउँ वइसे तू धनवान अहा। जउन खुद क यहूदी कहत अहा, अउर जउन तोहार निन्दा करे अहइ, मइँ ओका भी जानत हउँ। यद्यपि ओन्हन सही सही यहूदी न अहीं। बल्कि उ पचे सइतान क आराधनालय अहइँ जउन सइतान स संबंध रखित ह। [10]उ अत्याचार स तोहका डेराय क जरूरत नाहीं अहइ, जउने क तोहका सहइ क अहइ। सुना, सइतान तोहरे मँ स कछू जने क बंदीगृह मँ डाइके तोहार परीच्छा लेइ जात अहइ। अउर तोहका हुवाँ दस दिन तक कस्ट भोगइ क अहइ। चाहे तोहका मर जाइ क पड़इ मुला सच्चा बना रह्या तबइ तोहका जीवन वाला मुकुट देब।

[11]"जउन सुन सकत ह, सुन लेइ कि आतिमा कलीसियन स का करत अहइ। जउन जीत जाई ओका दूसरी मउत स कउनउ नुकसान न उठावइ क पड़ी।

पिरगमुन की कलीसिया क मसीह क संदेस

[12]"पिरगमुन क कलीसिया क सरगदूतन क इ लिखा:
"उ जउन तेज दोधारी तलवार क धरत अहइ उ इ तरह स कहत ह: [13]मइँ जानत हउँ कि तू कहाँ रहत बाट्या जहाँ सइतान क सिंहासन बाटइ। अउर मइँ इहउ जानत हउँ कि तू मोरे नाउँ प स्थिर अहा, अउर तू मोरे बरे आपन बिसवास क कबहुँ जकार्‌या नाहीं। तोहरे उ नगर मँ जहाँ सइतान क निवास अहइ, मेरा बिसवासपूर्ण साच्छी अन्तिपास मार दीन्ह गवा रहा।

[14]"मुला मइँ तेरे बिरोध मँ कछू कहइ चाहत हउँ: तोहरे हिआँ कछू अइसे लोग बाटेन जउन बिलाम क सिच्छा क मानत हीं। उ बॉलाक क सिखावत रहा कि इस्राएलियन क मूर्तियन क चढ़ावा खाइ अउर व्यभिचार करइ क प्रोत्साहित करइ। [15]अइसे तोहरे हिआँ भी कछू अइसे मनइयन अहइँ जउन नीकुलइयन क सीख प चलत अहइँ। [16]एह बरे मनफिरावा नाहीं तउ मइँ जल्दी ही तोहरे पास आउब अउर ओनके बिरोध मँ उस तलवार स युद्ध करबइ जउन मोरे मुँह स निकरत बाटइ।

[17]"जउन सुन सकत ह, सुन लेइ कि आतिमा कलीसियन स का कहत अहइ!"
"जउन बिजयी होई मइँ हर एक क गुप्त मन्ना देब। मइँ ओका एक सफेद पाथर देब जेह पइ एक नवा नाउँ लिखा होई। जेका ओकरे अलावा अउर कउनउ नाहीं जानत अहइ, जेका उ दीन्ह गवा बाटइ।

थूआतीरा क कलीसिया क मसीह क संदेस

[18]"थूआतीरा क कलीसिया क सरगदूतन क नाउँ इ लिखा:
"परमेस्सर क पूत, जेकर आँखिन धधकती आग क समान बाटिन, अउर जेकर पैर चमकते काँसा क जइसे अहइँ, इ कहत अहइ: [19]मइँ तोहरे कारज, पिरेम, बिसवास, सेवा अउर धैर्य क जानत हउँ। मइँ इहउ जानत हउँ कि तोहार वर्तमान कारज विगत कारज स अधिक होत बाटइ। [20]मुला मइँ तेरे विरोध मँ कछू कहइ चाहत हउँ: तू उ स्त्री इजेबेल क अपने मध्य रहइ देता अहा, जउन अपने आपको नबीया कहत ह। मुला मोरे सेवकन क व्यभिचार करइ अउर मूर्तियन क आगे चढ़ाई भइ चीजन क खाइ बरे सिच्छा देत अहइ। [21]मइँ ओका मनफिरावा क अवसर दिहे अहउँ। मुला उ अपने व्यभिचार स मनफिरावा नाहीं चाहत। [22]अउर मइँ ओका

नीकुलइयन एसिया माइनर क धरम गुट। इ झूठ बिसवास अउर बिचार क मनवइया रहा। एकर नाउँ क धरब कउनो नीकुलइयन क नाउँ क मनई प कीन्ह ग होइ।

रोग-चारपाई प डाउब। अउर जे ओकरे साथ व्यभिचार करत अहइँ तउ उ तरह क कस्ट अउर दिक्कत भोगइँ जब तलक अपने काम क पछतावा न कइलेइँ। 23मइँ महामारी फैलाइके ओकरे लरिकन क मारि डाउब अउर सब कलीसियन क पता चल जाइ कि मइँ उहइ अहउँ जउन सब मनइयन क मन अउर बुद्धि क जानत अहइ। मइँ तोहका सबका तोहरे काम क हिसाब स फल देबइ।

24"अब मोका थूआतीरा क बाकी बचे क कछू मनइयन स कछू कहइ क अहइ कि जे इस सीख प नाहीं चलतेन अउर जउन सइतान क अउर ओकरे छिपी बातन क नाहीं जानत अहइँ। मइँ तोहरे ऊपर अउर कउनो बोझा नाहीं डावा चाहत अहउँ। 25मुला जउन कछू तोहरे लगे अहइ, ओह प मोरे आवइ तक चलत रहा।

26"जउन मनई जीत हासिल करी अउर जउन बातन क मइँ आदेस दिहे अहउँ आखिरी दम तक मोर आदेस पर टिका रही, जेहका मइँ चाहत अहउँ ओका मइँ राष्ट्रन पर अधिकार देत हउँ।

> 27'तथा उ ओनके ऊपर लोहे क डण्डे स सासन करी। उ ओनका माटी क भाँडन क तरह चूर चूर कइ देई।'
>
> *भजन संहिता 2:9*

28इ उहइ अधिकार अहइ जेका मइँ अपने परमपिता स पाए अहउँ। मइँ अइसे मनई क भोर क तारा देब। 29जेकरे पास कान अहइँ, उ सुन लेइँ कि आतिमा कलीसियन स का कहत अहइ।

सरदीस की कलीसिया क मसीह क संदेस

3 "सरदीस कलीसिया क सरगदूत क इ तरह लिखा:
"अइसा उ कहत ह जेकरे लगे परमेस्सर क सात आतिमा अउर सात तारा अहइँ मइँ तोहरे काम क जानत अहउँ सब मनइयन क कहब अहइ कि तू जिअत अहा, मुला तू तउ मर ग अहा। 2सावधान रहा! अउर जउन कछू बचा अहइ, ओका विलाइ जाइ क पहले अउर मजबूत बनावा काहे बदे कि अपने परमेस्सर क निगाह मँ मइँ तोहरे काम क नीक नाहीं पाए अहउँ। 3इ बदे जउने उपदेस क तू सुने अहा अउर पाए अहा, ओका याद करा। उही प चला अउर आपन मनफिरावा। जदि तू न जगब्या तउ चोर क तरह मइँ चला आउब। एकै तोहका पता नाहीं होइ कि मइँ कब अउबउँ अउर तोहका अचम्भा मँ डाइ देबूँ। 4जउनउ कछू होइ, मुला सरदीस मँ तोहरे लगे कछू अइसे मनइयन अहइँ जउन अपने क खराब नाहीं किहे अहइँ। उ पचे नीक मनई अही, इ बदे मोरे साथ उज्जर उज्जर कपरा पहिनी क घूमिहइँ। 5जउन उ जीती, उ इही तरह उज्जर कपरा पहिनी मइँ जीवन क पुस्तक स ओकइ नाउँ न हटाउबइ, मइँ ओकरे नाउँ क परमपिता अउर सरगदूतन क सामने मानता देबइ। 6जेकरे लगे कान अहइँ, उ पचे सुन लेइँ कि आतिमा कलीसियन स का कहत अहइ।

फिलादेलफिया कलीसिया क मसीह क संदेस

7"फिलादेलफिया कलीसिया क सरगदूत क इ तरह लिखा:
"उ जउन पवित्तर अउर सच्चाई अहइ अउर जेकरे लगे दाऊद क चाभी अहइ जउन अइसा दरवाजा खोलत ह, जेका केहू खोल नाहीं पावत, इ तरह कहत ह; 8मइँ तोहरे काम क जानित ह। देखा तोहरे सामने मइँ एक दरवाजा खोल दिहे अहउँ, जेका केहू बन्द नाहीं कइ सकत। मइँ जानत हउँ कि तोहार ताकत कम अहइ मुला तू मोर उपदेस स क पालन किहे अहा, अउर मोर नाउँ क खंडन नाहीं किहे अहा। 9सुना! कछू अइसे अहइँ जे सइतान क आराधनालय अहीं अउर जउन यहूदी न होत भए अपुना क यहूदी कहत हीं, जे एकदम झूठा अहइँ, ओनका मइँ मजबूर कइके तोहरे पैर मँ झुकाइ देब जइसे कि ओनका पता चल जाइ कि तू मोका अच्छा लागत ह्या। 10तू धीरज क साथ सहनसीलता स मोर आदेस क पालन किहे अहा। एकरे बदले मँ मइँ इम्तिहान क घड़ी मँ तोहार रच्छा करबइ, जउन कि धरती पर रहइवालेन क परखइ क बदे पूरे संसार मँ आवइवाली अहइ।"

11"मइँ बहुत जल्दी आवत अहउँ। जउन कछू तोहरे पास अहइ, ओकरे ऊपर उटा रहा जइसे कि तोहार जीत क मुकुट कउनउ लेइ न पावइ। 12जउन मनई जीती, ओका मइँ अपने परमेस्सर क मंदिर क खम्भा बनउबइ। फिन उ कबहूँ मंदिर क बाहर न जाई। अउर मइँ अपने परमेस्सर क अउर अपने परमेस्सर क नई नगरी क नवा यरूसलेम नाउँ ओकरे ऊपर लिखबइ, उ नगरी परमेस्सर कइँती स सरग स नीचे उतरइवाली अहइ। ओकरे ऊपर मइँ अपनउ नये नाउँ लिखबइ। 13जे सुन सकत ह सुन लेइ कि आतिमा कलीसियन स का कहत अहइ।

लौदीकिया की कलीसिया क मसीह क संदेस

14"लौदीकिया क कलीसिया क सरगदूत क इ लिखा:
"जउन आमीन* अहइ बिसवास भरा अहइ, सच्ची साच्छी अहइ, जउन परमेस्सर क रचना क एक ठु सासक अहइ, इ तरह कहत ह: 15मइँ तोहरे काम क जानत हउँ अउर इहउ कि न तउ इ ठंडा होत ह अउर

आमीन आमीन सबद क अरथ अहइ उ परम सत्य क तरह होइ जाब। मुला हिआँ ऍका ईसू क नाउँ क रूप मँ बइपरा ग अहइ।

न गरम। मइँ चाहत हउँ कि तू या तो ठंडा रहा या गरम।
16इ बदे कि तू गुनगुना अहा, न तउ गरम अहा न ठंडा,
एहि कारण मइँ तोहका अपने मुँह स उगलइ जात अहउँ।
17तू कहत अह कि मइँ धनी होइ गवा हउँ अउर मइँ
भाग्यसाली होइ गवा अहउँ अउर मोका कउनउ चीज
क जरूरत नाहीं अहइ, मुला तोहका पता नाहीं अहइ कि
तू अभागा अहा, दयनीय अहा, आँधर अहा अउर नंगा
अहा। 18मइँ तोहका इ सलाह देत अहउँ कि तू मोका
आगी मँ तपावा सोना खरीदा जइसे कि तू सही सही
धनवान होइ जा। पहिनइ क वास्ते सफेद कपरा लइ ल्या
जइसे कि तोहरी बेसार्मी अउर नंगाई क तमासा न खड़ा
होइ जाइ। अपने आँखन मँ लगावइ क वास्ते तू आँजन
लइ ल्या जइसे कि तू निहार सका।

19"ओनका सबेन्ह क जेनका मइँ पिरेम करित हउँ,
मइँ डाटत अहउँ अउर अनुसासित करत हउँ। कठिन
जतन कइके आपन मनफिराइ ल्या। 20सुना, मइँ दरवाजे
प खड़ा अहउँ अउर खटखटावत अहउँ। जउ केहू मोर
आवाज सुनत ह अउर दरवाजा खोल देत ह तउ मइँ
अन्दर आइ जइहउँ अउर ओकरे साथे बइठके खाना
खाबइ। अउर उ मोर साथे बइठके खाना खात ह।

21"जउन मनई जीती मइँ ओका अपने साथे सिंहासन
प बइठइ देब। जइसे कि जीत हासिल कइके मइँ अपने
पिता क साथे सिंहासन प बइठा अहउँ। 22जे मनई सुनि
सकत ह सुन लेइ, कि आतिमा कलीसियन स का कहत
अहइ।"

सरग क दर्सन

4 एकरे बाद मइँ आपन निगाह उठाएउँ तउ उहाँ
सरग क खुला दरवाजा मोरे सामने रहा। अउर
उहइ आवाज जउने क मइँ पहले सुने रहेउँ, तुरही क
आवाज जइसी मँ मोसे कहत रही, "हिआँ ऊपर आइ जा।
मइँ तोहका उ देखाउब जउन आगे चलिके होइवाला
अहइ।" 2फिन तुरन्तइ मइँ आतिमा क बस मँ होइ गएउँ।
मइँ देखेउँ कि मोर सामने सरग मँ सिंहासन अहइ अउर
ओकरे ऊपर केउ बइठा अहइ। 3जउन ओह प बइठा
रहा ओकै चमक यसब अउर गोमेद क तरह रही।
सिहांसन क चारिहुँ कइँती एक मेघधनुस रहा जउन
पन्ना क तरह दमकत रहा। 4उ सिंहासन क चारिहुँ
कइँती चौबीस सिंहासन अउर रहेन। ओकरे ऊपर चौबीस
बुजुर्गन * बइठा रहेन। उ पचे सफेद कपरा पहिने रहेन।
ओनके मूड़े प सोने क मुकुट रहेन। 5सिंहासन भरा
बिजली क चकाचौंध, घड़घड़ाहट, अउर बादर गरजइ क
आवाज आवत रही। सिंहासन क समन्वा लपलपात सात
मसाल जरत रहिन। इ मसाल परमेस्सर क सात आतिमा
अहइँ। 6सिंहासन क समन्वा पारदर्सी कांच क स्फटिक
समुद्दर जइसा फइला रहा।

सिंहासन क ठीक समन्वा अउर ओकरे दुइनउँ तरफ
चार जीवित प्रानी रहेन। ओनके आगे अउर पाछे आंखिन
रहिन। 7पहला जीवित प्रानी सेर क तरह रहा, दूसर
जीवित प्रानी बइल जइसा रहा, तीसरे जीवित प्रानी क मुँह
मनई जइसा रहा। अउर चौथा प्रानी उड़ते हए गरुड़ क
समान रहा।

8इ चारउ ही प्रानीयन क छ: छ: ठू पखना रहेन।
ओकरे चारों तरफ अउर भीतर आंख आंख भरी पड़ी
रहिन। दिन रात उ पचे हमेसा कहत रहेन:

"पवित्तर, पवित्तर, पवित्तर पर्भू परमेस्सर
सर्वसक्तिमान, उहइ रहा, उहइ अहइ, अउर
उहइ आवत अहइ।"

9जउ उ जिअत प्रानी उ सदैव रहत क महिमा,
आदर अउर धन्यबाद करत रहेन, जउन सिंहासन प
बइठा रहा, तउ ब उ 10चौबीसौ बुजुर्गन ओकरे पैरन मँ
गिरके हमेसा हमेसा जिअत रहइवाले क आराधना करत
हीं। उ सिहांसन क समन्वा आपन मुकुट डाय देत हीं
अउर कहत हीं:

11"हे हमार पर्भू अउर परमेस्सर! तू महिमा,
समादर अउर ताकत पावइ क बदे सुयोग्य
अहा, काहे बदे कि तू ही अपनी इच्छा स
सब चीजन क पइदा किहा, अउर तोहरी
इच्छा स ओनकर अस्तित्व अहइ। अउर
तोहारी इच्छा स ओनकर पैदाइस भय।"

5 फिन मइँ देखा कि जउन सिहांसन प बिराजमान
रहा, ओकरे दहिने हाथे मँ एक लपेटा चमड़ा क पत्र
मतलब एक अइसी किताब जेका लिखके लपेट दीन्ह
जात रहा। जेकरे दुइनउँ कइँती लिखावट रही। ओका
सात मोहर लगाइके छाप दीन्ह ग रहा। 2मइँ एक सक्तिमान
सरगदूत कइँती देखेउँ जउन ऊंची आवाज मँ घोसणा
करत रहा, "इ लपटा भवा चमड़न क पत्र मोहरन क
तोड़इ अउर एका खोलइ मँ कउन मनई समर्थ अहइ।"
3मुला सरग मँ अथवा जमीन प या पताल लोग मँ कउनउ
अइसा नाहीं रहा जउन उ लपटा चर्मपत्र क खोलइ अउर
ओका भीतर झाँकइ ।

4काहेकि उ चर्मपत्र क खोलइ क ताकत राखइवाला
या अन्दर स ओका देखइ क ताकत रखइवाला कउनउ
नाहीं मिल पाए रहा। इ बदे मइँ सुबक सुबक क रोय
दीन्ह।

चौबीस बुजुर्गन साइद इ चउबीस प्राचीन मँ बारहु उ सबइ
मनई रहेन जउन परमेस्सर क संत लोगन क बड़का नेता
रहेन। होइ सकत ह इ सबइ यहूदियन क बारहु परिवार दल क
नेता रहेन। अउर बाकी बारह ईसू क प्रेरित अहइँ।

5फिन ओन बुजुर्गन मँ स एक मोसे कहेस, "रोउब
बन्द करा! सुना, यहूदा क बंसज क सेर जउन दाऊद क
बंसज क अहइ जीत हासिल किहे अहइ। उ एन सात
मोहरन क तोड़इ अउर इ लिपटा चर्मपत्र क खोलइ मँ
समरथ अहइ।"
6फिन मइँ देखेउँ कि उ सिंहासन अउर ओन चार
प्रानीयन क समन्वा अउर ओन बुजुर्गन क समन्वा एक
ठु मेमना खड़ा अहइ। उ अइसे देखात रहा जइसे ओकर
बलि चढ़ाई ग रही होइ। ओकरे सात सींग रहेन अउर
सात आँखी रहिन, जउन परमेस्सर क सात आतिमा
अहिन। जेनेका पूरी धरती प भेजा ग रहा। 7फिन उ
आवा अउर जउन सिंहासन प विराजमान रहा, ओकरे
दहिने हाथे स उ लिपटा चर्मपत्र लइ लिहेस। 8जब उ
ओनसे लिपटा चर्मपत्र लइ लिहेस तउ ओन चारउ प्रानी
अउर चौबीसउ बुजुर्गन उ मेमना क झुकके प्रणाम किहेन।
ओनमाँ स प्रत्येक क हाथ मँ वीना अउर सोने का
कटोरा रहेन। उ सब बोलत रहेन: अउर महकत सोने
क धूपदान थामे रहेन जउन परमेस्सर क लोगन क
पराथना अहइ। 9उ एक नवा गाना गावत रहेन:

"तू अहा चर्मपत्र लेइ क बदे समर्थ अउर एह
प लगी मोहर क खोलइ मँ तोहार बध बलि
कीन्ह ग रहा, अउर अपने खून स तू परमेस्सर
बरे लोगन क हर जाति स, हर भाखा स सब
कुलन स, सब देसन स मोल लइ लिहा।
10 अउर बनाया तू ओनका रूप राज्य क अउर
हमरे परमेस्सर क हेतु ओनका याजकन
बनाया, ओनही धरती प राज करिहइँ।"

11तबहिं मइँ देखेउँ अउर तमाम सरगदूतन क आवाज
सुनेउँ। उ पचे सिंहासन, जीवित प्रानीयन अउर बुजुर्गन
क चारिहुँ कइँती खड़ा रहेन। अउर उहाँ सरगदूतन क
तादाद लाखन करोड़न मँ रही 12अउर उ पचे जोर जोर
स कहत रहेन:

"जउन मेमना, मारि डाला ग रहा, उ ओका
मिलइ क जोग्ग अहइ बल, धन, विवेक समादर,
महिमा अउर स्तुति!"

13फिन मइँ सुनेउँ कि सरग क, धरती पइ क
पाताल लोक क, समुद्दर मँ का, समूची दुनिया क
अउर समूचे ब्रह्माण्ड हर एक प्रानी जउन इ जगह मँ रहत
रहा कहत रहेन:

"जउन सिंहासन प बइठा अहइ अउर मेमना!
हमेसा हमेसा ओनका स्तुति मिलै, ओनका
आदर, महिमा मिलइ।"

14फिन उ चारिहुँ प्रानी कहेन, "आमीन!" कहेन
अउर बुजुर्गन झुकिके आराधना करेन।

6 मइँ देखे कि मेमना ओहमाँ स पहली मोहर तोड़ेस
अउर तबहिं ओन चार प्रानीयन मँ स एक क बादर
क तरह गरजत आवाज मँ कहत सुनेउँ, "आ!" 2जउ
मइँ आपन नजर उठाएउँ तउ पाएउँ कि मोरे सामने एक
ठु सफेद घोड़ा रहा। घोड़ा क सवार धनुस लिए रहा।
ओका विजय मुकुट दीन्ह गवा अउर उ विजय पावइ क
बदे जीत पाइ क बाहर चला गवा।
3जब मेमना दूसर मोहर तोड़ेस तउ मइँ दूसर प्रानी
क कहत सुनेउँ, "आवा!" 4एह प आगी क तरह लाल
रंग क एक अउर घोड़ा बाहेर आवा। एकरे ऊपर बइठे
सवार क धरती स सान्ति छीन लेइ अउर एक दूसरे क
हत्या करवावइ क बदे उकसावइ क अधिकार दीन्ह ग
रहा। ओका एक ठु लम्बी तलवार दइ दीन्ह गइ।
5जब मेमना तीसरी मोहर तोड़ेस तउ मइँ एक प्रानी
क कहत सुनेउँ, "आवा!" जब मइँ आपन नजर उठाएउँ
तउ हुवाँ मोरे सामने एक ठु काला घोड़ा खड़ा रहा। ओह
प बइठे सवार क हाथे मँ एक तराजू रही। 6उही समइ
मइँ ओन चारउ प्रानीयन क बीच स एक आवाज आवत
सुनेउँ, जउन कहत रहा, "एक दिन क मजूरी क बदले
एक दिन क खाइ क गोहूँ अउर एक दिन क मजूरी क
बदले तीन दिन तक खाइ क जौ। मुला जैतून क तेल
अउर दाखरस क नुकसान न पहुँचावा!"
7इ फिन मेमना जब चौथी मोहर खोलेस तउ चौथे
प्रानी क कहत सुनेउँ, "आवा!" 8फिन जब मइँ नजर
उठाएउँ तउ मोरे सामने मरियल जइसा एक पीला रंग
का घोड़ा खड़ा रहा। ओह प बइठके सवार क नाउँ रहा
"मउत"। अउर ओकरे पाछे पाछे सटा चलत रहा
अधोलोक। धरती क एक चौथाई हिस्सा प ओनका इ
अधिकार दइ दीन्ह ग कि लड़ाई, अकाल, महामारी
अउर धरती क हिंसक जानवर ओनका सबेन्ह क मार
डावइँ। 9फिन उ मेमना जउ पाँचवीं मोहर तोड़ेस तब मइँ
वेदी क नीचे ओन आतिमन क देखेउँ जेनके परमेस्सर
क सुसंदेस कइँती आतिमा क अउर जउने साच्छी क उ
पचे दिहे रहेन, ओकरे कारण हत्या कइ दीन्ह गइ।
10जोर स आवाज देत उ पचे कहेन, "हे पवित्तर अउर
सच्चा पर्भू! हमार हत्या करइ क बदे धरती क मनइयन
क निआव करइ क अउर ओनका दण्ड देइ क बदे तू
कब तक इन्तजार करत रहब्या?" 11ओनमाँ स सबका
एक सुफेद चोंगा दीन्ह गवा अउर ओनसे कहा गवा कि
तनिक देर तक उ पचे समइ क इन्तजार करइँ जब
तलक ओनके ओन साथी सेवकन अउर भाइयन क
तादाद पूरी होइ जात ह जेनकइ वइसेन हत्या कीन्ह
जाइवाली अहइ, जइसेन तोहार कीन्ह ग रही।
12फिन जब मेमना छठवीं मोहर तोड़ेस तउ मइँ
देखेउँ कि हुवाँ एक बहुत बड़ा भूचाल आवा भवा अहइ।

सूरज अइसे काला होइ ग रहा जइसे बालन स बना कपड़ा होय जात ह। अउर पूरा चाँद खून क तरह लाल होइ जात ह। 13आकास क तारा धरती प अइसा गिर ग रहेन जइसे कउनउ तेज आंधी स झकझोर दिहे प अंजीर क पेड़ स कच्ची अंजीर गिर जात हीं। 14आसमान फटा पड़ा रहा अउर एक चर्मपत्र क तरह सिकुरिके लपट ग रहा। सब पर्वत अउर द्वीप अपनी अपनी जगह स डिग ग रहेन।

15दुनिया क सम्राट, सासक, धनी, सक्तिसाली अउर सब लोग अउर सब मालिक अउर गुलाम अपने आपका चट्टानन क बीच अउर गुफा मँ अपने आपका छिपाइ लिहे रहेन 16उ पचे पर्वतन अउर चट्टानन स कहत रहेन, "हमरे ऊपर गिर पड़ा अउर जउन मनई सिंहासन प बइठा अहइ ओकरे अउर मेमना क गुस्सा स हम पचे क बचाइ ल्या! 17ओनकी गुस्सा क भयंकर दिन आय ग अहइ अइसा के अहइ जे एका झेल सकइ।"

इस्राएल क 1,44,000 मनइयन

7 एकरे बाद धरती क चारउँ कोनन प चार सरगदूतन क मइँ खड़े देखेउँ धरती क चारउँ हवा क उ पचे पकड़े रहेन जइसे कि धरती प, समुद्दर प अथवा पेड़न प ओनमाँ स कउनउ हवा चलइ न पावइ। 2फिन मइँ देखेउँ कि एक अउर सरगदूत अहइ जउन पूरब दिसा स आवत अहइ। उ जिअत परमेस्सर क मोहर लिहे रहा। अउर उ ओन चारउ सरगदूतन स जेनका धरती अउर आसमान क नस्ट कइ देइ क अधिकार दीन्ह ग रहा, जोर स पुकार क कहत रहा, 3"जब तक हमने अपने परमेस्सर क सेवकन क माथे प मोहर नाहीं लगाइ देइतन, तब तलक तू धरती, समुद्दर अउर पेड़न क नुकसान न पहुँचावा।"

4फिन जउन मनइयन प मोहर लगाई ग रही, मइँ औनकइ तादाद सुनेउँ। उ 144,000 रहेन जेनकइ ऊपर मोहर लगाई ग रही, उ सब इस्राएल क सब परिवार समूहन स रहेन:

5	यहूदा क परिवार समूह क	12,000
	रूबेन क परिवार समूह क	12,000
	गाद क परिवार समूह क	12,000
6	आसेर परिवार समूह क	12,000
	नप्ताली परिवार समूह क	12,000
	मनस्से परिवार समूह क	12,000
7	समौन परिवार समूह क	12,000
	लेवी परिवार समूह क	12,000
	इस्साकार परिवार समूह क	12,000
8	जबूलून परिवार समूह क	12,000
	यूसुफ परिवार समूह क	12,000
	बिन्यामीन परिवार समूह क	12,000

भयंकर भीड़

9एकरे बाद मइँ देखेउँ कि मोरे सामने एक बहुत बड़ी भीड़ रही जेकर कउनउ गनती नाहीं कइ सकत रहा। इ भीड़ मँ हर जाति क, हर वंस क, हर कुल अउर हर भाखा क मनई रहेन। उ पचे उ सिंहासन अउर उ मेमना क आगे खड़ा रहेन। उ सबेन्ह सफेद चोगा पहिरे रहेन अउर अपने हाथे मँ खजूर क टहनी लिहे रहेन। 10उ सबेन्ह बोलावत रहेन, "सिंहासन प बइठा हमरे परमेस्सर क जय होइ अउर मेमना क जय होइ।" 11सभी सरगदूतन सिंहासन, बुजुर्गन अउर ओन चार प्रानीयन क घेरे खड़ा रहेन। सिहांसन क सामने झुकिके प्रणाम कइके ओन सरगदूतन परमेस्सर क आराधना किहेन। 12उ पचे कहेन, "आमीन! * हमरे परमेस्सर क स्तुति, महिमा, विवेक, धन्यवाद, समादर, पराक्रम अउर सक्ति हमेसा हमेसा होत रहइ। आमीन!"

13तबहिं ओन बुजुर्गन मँ स कउनउ एक मोसे इ पूछेस, "इ सफेद चोगा पहिरे कउन मनई अहइँ अउर इ कहाँ स आए अहइँ?"

14मइँ ओनका जवाब दिहेउँ, "मोर पर्भू तू तउ जनतइ अहा।"

इ सुनिके उ मोसे कहेस, "इ पचे उहइ मनई अहीं जउन कठोर अत्याचार क बीच स होइके आवत अहइँ, उ सबेन्ह आपन चोगा मेमना क खून स धोइके सफेद अउर उज्जर करे अहइ। 15इही बदे अउर इ पचे परमेस्सर क सिंहासन क समन्वा खड़ा अहइँ अउर ओनके मंदिर मँ दिन रात ओकर आराधना करत हीं। जउन सिंहासन पर बइठा बा, उ ओन पर आपन छाया करी। 16न तउ कबहूँ ओनका भूख सतावात ह अउर न तउ कबहूँ पियासा रहत ह। सूरज ओनकइ कछू नाहीं बिगाड़ पावत अउर न तउ चिललिचात धूप ओनका कबहूँ तपावत ह। 17काहेकि उ मेमना जउन सिंहासन क बीच मँ अहइ, ओनकइ देखभाल करी। अउर ओनकर चरवाहा होइ। उ ओनका जिन्दगी देइ वाले पानी क झरना क पास लइ जाई अउर परमेस्सर ओनकी आंखिन क आंसू क पोंछ देई।"

सातवीं मोहर

8 फिन मेमना जब सातवी मोहर तोड़ेस तउ सरग मँ करीब आधा घन्टा तक सन्नाटा छावा रहा। 2फिन मइँ सात सरगदूतन देखेउँ जउन परमेस्सर क सामने खड़ा रहेन। ओनका सात तुरही दीन्ह गइ रहिन।

3फिन एक अउर सरगदूत आवा अउर वेदी प खड़ा होइ गवा। ओकरे लगे सोने क एक ठु धूपदान रहा।

आमीन आमीन जब कउनो मनई आमीन कहत ह तउ एकर अरथ होत ह कि उ पूरी तरह ओकरे संग बिचार राखत ह।

ओका परमेस्सर क पवित्तर लोगन क पराथना क साथ सोने क उ वेदी प जउन सिंहासन क समन्वा रही चढ़ावइ क बदे तमाम धूप दीन्ह गइन।

4फिन सरगदूत क हाथे स धूप क उ धुआँ परमेस्सर क लोगन क पराथना क साथे परमेस्सर क समन्वा पहुँचा।

5एकरे बाद सरगदूत उ धूपदान क उठाएस, ओका बेदी क आग स भरेस अउर उछाल क धरती प फेंक दिहेस। तब हुवाँ गरजना भइ, भयंकर आवाज आवइ लाग अउर बिजली चमकइ लाग। भूकम्प आइ गवा।

सातहुँ सरगदूतन क आपन तुरही बजाउब

6फिन उ सात सरगदूतन जेकरे लगे सात तुरही रहिन, ओनका फूकइ क बदे तय्यार होइ गएन।

7जइसेन पहिला सरगदूत तुरही मँ फूँक मारेस, वइसेन खून, ओला, अउर आग एकइ साथे देखाइ लागेन अउर ओनका धरती प नीचे उछालिके फेंक दीन्ह गवा। जउने स धरती क एक तिहाई हिस्सा जलभुन क राख होइ गवा। एक तिहाई पेड़ जलत भए राख होइ गएन अउर संसार क पूरी घास राख होइ गइ।

8दूसरा सरगदूत जब तुरही मँ फूँक मारेस तउ अइसा लगा जइसे आग क एक जलत विसाल पहाड़े क समान कउनो चीज समुद्दर मँ फेक दीन्ह गइ होइ। एहसे एक तिहाई समुद्दर खून मँ बदल गवा। 9अउर समुद्दर क एक तिहाई जीवित प्रानी मरि गएन अउर एक तिहाई पानी क जहाज विलाइ गएन।

10तिसरा सरगदूत जब तुरही मँ फूँक मारेस तउ आकास स मसाल क तरह जरत भवा एक बड़का तारा गिर पड़ा। इ तारा एक तिहाई नदियन अउर झरनन क पानी प जाइ गिरा।

11इ तारा क नाउँ रहा "नागदौना" जउन समूचे पानी क एक तिहाई हिस्सा नागदौना* मँ बदल गवा। अउर उ पानी क जे पियेस ह बहुत मनई मर गएन। काहेकि पानी बहुत तीत होइ ग रहा।

12जउ चौथा सरगदूत तुरही मँ फूँक मारेस, तउ एक तिहाई सूरज अउर साथे मँ एक तिहाई चन्द्रमा अउर एक तिहाई तारन प आफत आइ गइ। ओनकइ एक तिहाई हिस्सा काला पड़ गवा। इ तरह स एक तिहाई दिन अउर एक तिहाई रात अन्धेरे मँ बूड़ गएन।

13फिन मइँ देखेउँ कि एक गरुड़ अबइ ऊँच अकास मँ उड़त रहा। मइँ ओका जोर स कहत सुनेउँ, "जउन तीन सरगदूत बचा अहइँ अउर आपन तुरही बजावइवाला अहइ, ओनके तुरही बजाए स धरती प रहइवाले प बिपत्ति आवइ! बिपत्ति आवइ! बिपत्ति आवइ!"

9 जब पाँचवा सरगदूत आपन तुरही मँ फूँक मारेस, तब मइँ आकास स धरती प गिरा भवा एक तारा देखेउँ। एका उ चिमनी क कुंजी दीन्ह ग रही जउन पाताल मँ उतरत ह। 2फिन उ तारा उ चिमनी क ताला खोल दिहेस जउन पाताल मँ उतरत रही अउर चिमनी स वइसेन धुआं फूट गवा जइसेन एक बड़ी भट्ठी स निकरत ह। इ बदे चिमनी स निकरा धुँआ स सूरज अउर आसमान काला पड़ गएन। 3तबहीं उ धुँआ स धरती प टिड्डि दल उतर आवा। ओनके पास उहइ ताकत रही जउन धरती प रहइवाले बिच्छुअन मँ रहत ह। 4मुला ओनसे कह दीन्ह ग रहा कि उ धरती क घास क कउनउ नुकसान न पहुँचावइँ अउर न तउ हरिअर पेड़ पउधा क कउनउ नुकसान पहुँचावइँ ओनका केवल ओनही मनइयन क नुकसान पहुँचावइँ क रहा जेकरे माथे प परमेस्सर क मोहर नाहीं लगी रही। 5टिड्डी दल स इ भी कहा ग रहा कि उ मनइयन क प्रान न लेइँ ओनका पाँच महीना तक पीड़ित करत रहइँ। ओनका जउन कस्ट दीन्ह जात रहा, उ उही तरह क रहा जइसे बिच्छू क काटइ स रहत ह। 6उ ओहि दिनन उ मनई मउत क ढूढ़िहइँ, मुला मउत ओनका न मिलपाई उ पचे मरइ क बदे तरसिहइँ अउर मउत ओनका चकमा दइके चली जाई।

7अउर अब देखा कि उ टिड्डी लड़ाई मँ लड़इ क बदे तैय्यार घोड़न क तरह देखात रहिन। ओनके माथे प चमकीला मुकुट बँधा रहेन। अउर ओनकर मुँह मनइयन क मुँहन जइसे रहेन। 8ओनके बार स्त्रियन क बार क तरह रहेन अउर ओनकइ दाँत सेर क दाँत क तरह रहेन। 9ओनकइ सीना अइसा रहेन जइसे लोहा क कवच होइँ। ओनकइ पखना क आवाज लड़ाई मँ जात बहुत घोड़े अउर रथ क आवाज क तरह रहेन। 10ओनकी पूँछ रहेन जइसे बीछू क डंक होइँ अउर ओहमाँ पाँच महीना तक लोगन क दुःख पहुँचावइ क ताकत रही। 11पाताल क अधिकारी दूत क उ पचे अपने राजा क तरह लिहे रहेन। इब्रानी भाखा मँ ओनकइ नाउँ अहइ, "अबड्डोन"* अउर यूनानी भाखा मँ ओका "अपुल्लयोन" (नास करइ वाला) कहा जात रहा।

12पहली बड़ी आफत तउ बीत गइ अहइ मुला एकरे बाद दुइ बिपत्ति बड़ी अउर पड़इवाली अहइ।

13फिन जइसेन छठवाँ सरगदूत आपन तुरही फूँकेस, वइसेन ही मइँ परमेस्सर क समन्वा एक चमकीली वेदी देखेउँ, ओकरी चार सींग मँ स आवाज आवत रही। 14तुरही लिहे छठवें सरगदूत स उ आवाज कहेस, "ओन चार सरगदूतन क छोड़ द्या जउन फरात महानदी क लगे बंधा पड़ा अहइँ।"

नागदौना मूल मँ अपसिन्तोस जउन यूनानी भाखा क सब्द अहइ अउर जेकर अंग्रेजी पर्याय बाटइ वर्मवुड जेकर अरथ अहइ एक ठु बहोतइ करुवा पौधा। यह बरे एँका बहोतइ दुःख क चीन्हा माना जात ह।

अबड्डोन बिनासे क ठउर (अय्यूब 26:6; भजन 88:11)

15इ बदे चारउ सरगदूत क छोड़ दीन्ह गवा। उ पचे उही समइ, उही दिन, उही महीने अउर उही साल क बदे तय्यार रखा ग रहेन जइसेन कि एक तिहाई मनइयन क मार डावइँ। 16ओनके पूरी तादाद केतनी रही, इ मइँ सुनेउँ। घोड़ा प चढ़े सैनिकन क तादाद 200,000,000 रही।

17उ मोरे दर्सन मँ उ घोड़ा अउर ओनके सवार मोका इ तरह देखॉई पड़ेन; उ सबेन्ह कवच पहिरे रहेन जउन धधकत आग जइसे लाल लाल, गहरे नीला अउर गन्धक जइसे पीला रहेन। घोड़न क मूँड़ सिंहन क समान रहेन अउर ओनके मुखन स अग्नि, धुँआ तथा गन्धक निकरत रहा। 18इ तीन महामारी स मतलब ओनके मुँहे स निकरत आगी, धुँआ अउर गन्धक स एक तिहाई मनइयन क मार डावा गवा। 19ऍन घोड़न क ताकत ओनके मुँहे अउर पूँछ मँ रही, काहेकि ओनके पूँछ मुँड़वाले साँप क तरह रही जउने स उ मनइयन क नुकसान पहुँचावत रहेन। 20एतने क बावजूद जउन मनई इ सत्यानास स नाहीं मारा गएन अउर जे आपन हिरदय तथा मनफिरावा पे रहा, अउर जउन अबे तक परेत, सोना, चांदी, कांसा, पाथर अउर लकड़ी क मूर्तियन क पूजा नाहीं छोड़े रहेन जउन कि न देख सकत हीं न बोल सकत हीं, न चल सकत हीं अउर न सुन सकत हीं। 21उ पचे आपन हिरदय अउर मन नाहीं बदलेन तथा अपने द्वारा कीन्ह हत्या, जादू टोना, यौन अनाचार अउर चोरी चकारी क कउनउ पछतावा नाहीं रहा।"

सरगदूत अउर छोटी पोथी

10 फिन मइँ आकास स नीचे उतरत एक अउर बलवान सरगदूत क देखेउँ उ बादर क ओढ़े रहा अउर ओकरे मूँड़े क आस पास एक मेघधनुस रहा। ओकर मुख मण्डल सूरज क तरह अउर टांग आग क खंभा जइसे रहेन। 2अपने हाथे मँ उ एक छोटी स खुली पोथी लिहे रहा। 3आपन दहिना पैर समुद्दर मँ अउर बांया पैर धरती प रखेस। फिन उ सेर क तरह दहाड़त जोर स चिल्लाएस। ओकरे चिल्लाए प सातउ गरजन तरजन क आवाज सुनाई देइ लाग जउन सातउ गरजन होइ चुकेन

4अउर मइँ लिखइवाला रहेउँ, तबइ मइँ एक अकासवाणी सुनेउँ, "सातउ गरजन जउन कछू कहे अहइ, ओका छिपाय ल्या अउर ओका न लिखा।"

5फिन उ सरगदूत जउने क मइँ समुद्दर मँ अउर धरती प खड़ा देखे रहेउँ, अकास मँ ऊपर दहिन हाथ उठाएस। 6अउर जउन हमेसा स जीवित अहइ, जे अकास क अउर अकास क सब चीजन क, धरती अउर धरती प किहेस अउर समुद्दर अउर जउन कछू ओहमाँ अहइ, ओनकइ सबनक रचना करे अहइ, ओकर सपथ लइके सरगदूत कहेस, "अब अउर जियादा देर न होइ! 7मुला जउ सातवाँ सरगदूत क सुनइ क समइ आइ अर्थात जब उ आपन तुरही बजावइवाला होइ, तबइ परमेस्सर क उ छिपी योजना (सुसमचार) पूरी होइ जाइ जेका उ अपने सेवक अउर नबियन क बताए रहा।"

8उ आकासबाणी जउने कि मइँ सुने रहेउँ, उ आवाज फिन मोसे कहेस, "जा अउर उ सरगदूत स जउन समुद्दर मँ अउर धरती प खड़ा अहइ ओकरे हाथे स खुली पोथी क लइ ल्या।"

9इ बदे मइँ उ सरगदूत क पास गएउँ अउर मइँ ओसे कहेउँ कि उ छोट क पोथी मोका दइ देइ। उ मोसे कहेस, "एका ल्या अउर खाइ ल्या। एहसे तोहार पेट कड़वा होइ जाइ मुला तोहरे मुँहे मँ इ सहदउ स जिआदा मीठा बन जाइ।" 10फिन उ सरगदूत क हाथ स मइँ उ छोट क पोथी लइ लीन्ह अउर ओका खाइ लीन्ह। मोरे मुँहे मँ इ सहद क तरह मीठ लाग मुला जब मइँ खाइ चुकेउँ तब मोर पेट कड़वा होइ गवा। 11एह प उ मोसे बोला, "तोहका तमाम मनई, देस, जातियन क भाखा अउर राजा क बावत भविस्सबाणी करइ क पड़ी।"

दुइ साच्छी

11 एकरे बाद नापइ क बदे मोका एक सरकंडा दीन्ह गवा जउन नापइ वाली छड़ी क तरह दिखाई पड़त रही। मोसे कहा गवा, "उठा अउर परमेस्सर क मंदिर क अन्दर वेदी क नाप ल्या अउर जउन मनई मंदिर क अन्दर आराधना करत अहइ, ओनके गिनती करा। 2मुला मंदिर क बाहर आंगन क रहइ द्या, ओका न नापा काहे बदे कि इ गैर यहूदियन क दीन्ह ग अहइ। उ पचे बयालीस महीना तक पवित्तर नगर क अपने पैर क नीचे रौंद देइहीं। 3मइँ अपने दुइ गवाहन क खुली छूट देब अउर उ 1,260 दिन तक भविस्सबाणी करिहइँ उ पचे टाट क कपरा पहिने रइहीं जेनका दुःख परगट करइ क बदे पहिना जात ह।" 4इ दुइनउँ साच्छी उ दुइ जइतून क पेड़ अउर उ दुइ ठु दीपादान अहइँ जउन धरती क पर्भू क समन्वा अहइँ। 5जदि केउ ओनका नुकसान पहुँचावा चाहत ह तउ ओकरे मुँहे स आग निकरइ लागत ह अउर ओनके दुस्मनन क निगल लेत ह। जदि केउ ओनका नुकसान पहुँचावइ क कोसिस करत ह तउ ओकर मउत निस्चित तौर प होइ जात ह। 6उ पचे अकास क बादल बाँधके रखइ क ताकत रखतहीं जेहसे जब उ पचे भविस्सबाणी करत होइँ तउ ओ समइ पानी न बरसी। ओनकै झरनन क पानी प अधिकार रहा जेका उ पचे खून मँ बदल सकत रहेन। ओनमाँ अइसी ताकत रही कि उ जेतना बार चाहतेन, ओतनी बार धरती प हर तरह क विनास कइ सकत रहेन।

7ओनके साच्छी दइ चुकइ क बाद, उ जानवर महागर्त स बाहर निकरी अउर ओन पइ हमला करी। उ ओनका हराइ देइ अउर मारि डाई। 8ओनकर ल्हास महानगर क गलियन मँ पड़ी रहिहइँ। इ सहर क प्रतीक रूप मँ

सदोम अउर मिस्र कहा जात रहा। हिआँ प ओनकर पर्भू क क्रूस प चढ़ाइके मारा ग रहा। [9]सब जातियन, उपजातियन, भाखा अउर राष्ट्र क मनई ओनकी ल्हास क साढ़े तीन दिन तक देखत रइहीं, अउर ओनकी ल्हास क कब्र मँ न रखइ देइहीं। [10]धरती प रहइवाले आनन्द मनाइहींगे उ पचे त्यौहार मनई हइँ अउर एक दूसर क तोहफा देइहइँ। इ दुइनउँ नबियन धरती प रहइवाले मनइयन क बहुत दुःख दिहे अहइँ।

[11]मुला साढ़े तीन दिन क बाद परमेस्सर कइँती स ओनके जीवन मँ साँस आइ गइ अउर उ पचे अपने गोड़े प खड़ा होइ गएन। जे ओनका देखे रहेन, उ पचे बहुत डेराइ गएन। [12]फिन उ दुइनउँ नबियन जोर क आवाज मँ आकासबाणी क ओनसे कहत भए सुनेन, "हिआँ ऊपर आइ जा!" इ बदे उ अकास क भीतर बादल मँ ऊपर चला गएन। ओनका ऊपर जात ओनकर खिलाफत करइवाले देखेन।

[13]ठीक उही समइ प हुवाँ बहुत बड़ा भूचाल आइ गवा अउर सहर क दसवाँ हिस्सा ढह गवा। भूचाल मँ सात हजार मनई मारा गएन अउर जउन बच ग रहेन उ सबेन्ह बहुत डेराइ गएन अउर उ सरग क परमेस्सर क महिमा क बखान करइ लागेन।

[14]इ तरह स अब दूसरउ आफत बीत गइ। मुला सावधान! तीसरी महाविपत्ति जल्दी आवइवाली अहइ।

सातवीं तुरही

[15]सातवाँ सगरदूत जब आपन तुरही फूँकेस तउ सरग स जोर क आवाजन आवइ लागिन। उ सबइ कहत रहिन:

> "अब इ दुनिया क राज हमरे पर्भू क आटइ,
> अउर ओकरे मसीह क आटइ। अउर उ कई
> जुग तक सासन करी।"

[16]अउर उही समइ परमेस्सर क समन्वा अपने अपने सिंहासन प बइठा चौबीसउ बुजुर्गन दण्डवत प्रणाम कइके परमेस्सर क आराधना किहेन। [17]उ पचे बोलेन:

> "सर्वसक्तिमान पर्भू परमेस्सर तू अहा, तू रह्या
> हम तोहार धन्यवाद करत अही।" तुहिन आपन
> महासक्ती क लइके अपने सासन क सुरुआत
> करे रह्या।
>
> [18] जउ अउर रास्ट्रन गुस्सन स भरी रहिन मुला
> तउ तोहार कोप प्रकट होइ क समइ आइ
> गवा, अउर क निआव क समइ आइ ग
> अहइ, अउर उ समइ आय ग अहइ जउ
> तोहार सेवक फल पड़हइँ ओन नबियन अउर
> उ सब पवित्तर मनई जउन तोहार आदर
> करत रहेन। अउर सभी जेतना बड़े मनई
> अहइँ, अउर सभी जेतने छोट मनई अहइँ।
> सब अपने काम क फल पावइँ। जउन मनई
> धरती क मिटावत अहइँ, ओनके मिटावइ
> क समइ आइ ग अहइ।"

[19]फिन सरग मँ परमेस्सर क मंदिर क खोला गवा जहाँ ओकरे मंदिर मँ करार क उ पेटी देखाई पड़ी। फिन बिजली क चकाचौंध होइ लगी। मेघन क गरजन, तरजन, अउर घड़घड़ाहट क आवाज, भूकम्प अउर भयानक ओला बरसइ लागेन।

स्त्री अउर बड़ा क अजगर

12 एकरे बाद आसमान मँ एक बड़ी स निसानी परगट भइ: एक स्त्री दिखाई पड़ी जउन सूरज क धारन करे रही अउर चाँद ओकरे पाँव क नीचे रहा। ओकरे माथे प मुकुट रहा, जेहमाँ बारह तारा जड़ा रहेन। [2]उ गर्भवती रही। ओकर दिन निकटाइ ग रहा, इ बदे उ पीड़ा स कराहत रही। [3]सरग मँ एक निसानी प्रकट भइ। मोरे समन्वा एक ठु इ लाल रंग क बड़ा क अजगर खड़ा रहा। ओकरे सातउ क सिर सात मुकुट रहेन। [4]ओकर पूँछ आकास क तारन क एक तिहाई हिस्सा क सपाटा मारिके धरती प नीचे फेंक दिहेस। उ स्त्री जउन बच्चा पइदा करइवाली रही ओकरे समन्वा उ अजगर खड़ा होइ गवा जइसे कि जउन बच्चा पइदा होइ, ओका उ खाइ जाइ। [5]फिन उ स्त्री एक बच्चा क जन्म दिहेस जउन कि लरका रहा। ओका सब जातिन प लोहे क दण्ड क साथ सासन करइ क रहा। मुला ओकर बच्चा क उठाइके परमेस्सर अउर ओकरे सिहांसन क समन्वा लइ जावा गवा। [6]अउर उ स्त्री सूनसान जंगल मँ भाग गइ। ओका एक अइसी जगह रखा गवा जउने क परमेस्सर उही क बदे बनवाए रहा, जइसे कि ओका 1260 दिन तक जीवित रखा जाइ सकइ।

[7]फिन सरग मँ एक लड़ाई होइ लाग। मीकाएल अउर ओकरे सरगदूतन क उ भयंकर अजगर स लड़ाई होइ लाग। उ अजगर भी ओकरे दूतन क साथ लड़ाई लड़ेस। [8]मुला उ ओनके ऊपर भारी नाहीं पड़ा अउर उ भंयकर अजगर अउर ओकर सरगदूतन सरग मँ आपन जगह खोइ दिहेन। [9]फुन उ अजगर सरग क नीचे ढकेल दीन्ह गवा। इ उहइ पुरान महानाग आटइ जेका दानव अउर सइतान कहा ग अहइ। इ पूरी दुनिया क ठगत ह हाँ, एका फिन धरती प ढकेल दीन्ह गवा।

[10]फिन मइँ जोरदार आवाज मँ एक आकासबाणी क कहत सुनेउँ, "इ हमरे परमेस्सर क जीत क घड़ी अउर सासन आटइ। उ आपन ताकत अउर संप्रभुता क जनवाइ देहेस। ओका मसीह आपन ताकत क देखाइ दिहेस काहेकि हमरे भाइयन प परमेस्सर क सामने दिन रात लांछन

लगावइवाला क नीचे ढकेल दीन्ह गवा। 11उ पचे मेमना क बलिदान क खून अउर ओकरी साच्छी स ओका हराइ दिहेन। उ पचे अपने प्रानन क गवाँइ देइ तलक अपने जीवन क परवाह नाहीं किहेन। 12इ बदे हे सरग, अउर सरग मँ रहइवाले मनई खुसी मनावा! मुला हाय धरती अउर समुद्दर! तोहरे बदे केतना बुरा होई काहे बदे कि सइतान अउर हुवाँ उतरके गवा अहइ। उ गुस्सा स तमतमात अहइ। ओका पता अहइ कि अउर ओकरे पास अधिक समइ नाहीं अहइ।"

13जब उ भयंकर अजगर देखेस कि ओका धरती प गिराइ दीन्ह ग अहइ तउ उ स्त्री क पीछा करइ लाग जउन कि बचवा क जनम दिहे रही। 14मुला उ स्त्री क उकाब क दुइ ठु बड़ा बड़ा पखना दीन्ह ग रहेन जइसे कि उ रेगिस्तान मँ उड़ जाइ, जउन ओकरे बदे तइयार कीन्ह ग रहा। हुवउँ प भयंकर अजगर स दूर ओका साढ़े तीन साल तक पालन पोषण कीन्ह जाइ क रहा। 15तउ उ महानाग उ स्त्री क पाछे अपने मुँहे स नदी क तरह पानी क धारा बहाएस जइसेन कि उ ओहमा बूड़ जाइ। 16मुला धरती आपन मुँह खोलके उ स्त्री क मदद किहेस अउर उ भयंकर अजगर जउने नदी क अपने मुँहे स निकारे रहा, ओका निगल लिहेस। 17एकरे बाद तउ उ भयानक अजगर उ स्त्री क ऊपर बहुत गुस्सा करेस अउर ओकरे बचवन क साथ लड़ाई लड़इ क बदे चल पड़ा जउन कि परमेस्सर क हुकुमन क पालन करत हीं अउर ईसू क साच्छी क धारण करत हीं

18अउर समुद्दर क किनारे जाइके खड़ा होइ गवा।

दुइ जानवर

13 फिन मइँ समुद्दर मँ स एक जानवर क बाहर आवत देखेउँ। ओकरे दस सींग रहिन अउर सात मूँड़ रहेन। उ अपने सींग प दस राजसी मुकुट पहिने रहा। ओकरे मूँड़े प दुस्ट नाउँ लिखा रहेन। 2मइँ जउन जानवर देखे रहेउँ उ चीता क तरह रहा। ओकर पैर भालू क तरह रहेन अउर ओकर मुँह सेर क तरह रहा। उ भयंकर अजगर आपन ताकत, आपन सिंहासन अउर आपन ढेर अधिकार दइ दिहेस। 3मइँ देखेउँ कि ओकर एक मूँड़ अइसेन देखात रहा जइसेन ओकरे ऊपर कउनउ बड़ा प्रान घातक घाव लगा रहा होइ मुला ओकर प्रान घातक घाव भर चुका रहा। पूरी दुनिया अचरज करत उ जानवर क पीछे चलइ लाग। 4अउर उ पचे अजगर क पूजा करइ लागेन। काहे बदे कि उ आपन अधिकार उ जानवर क दइ दिहे रहा। अउर उ पचे उ जानवर क पूजा करत कहइ लागेन, "इ जानवर क तरह हिआँ कउन अहइ? अउर अइसा के अहइ जे ओसे लड़ सकइ?"

5ओका अनुमति दइ दीन्ह गइ जइसे कि उ अपने मुँह स घमंड अउर परमेस्सर क निन्दा भरी बात बोलइ। ओका बयालीस महीना तक आपन ताकत देखावइ क अधिकार दीन्ह ग रहा। 6इ बदे उ परमेस्सर क निन्दा सुरु कइ दिहेस। उ परमेस्सर क नाउँ, अउर ओनकै मंदिर अउर जउन सरग मँ रहत हीं ओनकर निन्दा करइ लाग। 7परमेस्सर क पवित्तर लोगन क साथे लड़ाई लड़इ क अउर ओनका हरावै क अनुमति ओका दइ दीन्ह गइ। ओकर अधिकार हर वंस, हर जाति, हर भाखा अउर हर राष्ट्र पर रहा। 8धरती क सभी निवासी उ जानवर क पूजा करिहइँ जेकर नाम उ मेमना क जीवन क पुस्तक मँ संसार क आरम्भ स नाहीं लिखा अहइ अउर जेकर बलिदान एकदम पक्का अहइ।

9जदि केउ क कान अहइँ तउ उ सुन लेइ:

10 बंदीघर मँ बन्दी बनइ क जेकरे तकदीर मँ
अहइ, उ जरूर बन्दी होइ। जदि केहू तलवार
स मारी तउ उहइ तलवार स मारा जाई।

वह अइसे समइ मँ परमेस्सर क पवित्तर लोगन क सहनसीलता अउर बिसवास क देखावइ चाही।

11एकरे बाद मइँ धरती स निकरत एक अउर जानवर क देखेउँ। ओकरे मेमना क सींग क तरह दुइ ठु सींग रहिन। मुला उ महानाग क तरह बोलत रहा। 12उ भयानक अजगर क समन्वा उ पहिले जानवर क सभी अधिकारन क इस्तेमाल करत रहा। उ धरती अउर धरती क निवासिन सबसे उ जानवर क पूजा कराएस जउने क भयंकर घाव भर ग रहा। 13दूसरउ जानवर बड़ा बड़ा अद्भुत कारजन करेस। हिआँ तक कि सबके सामने उ धरती प आकास स आग बरसाइ दिहेस। 14उ धरती प रहइ वालेन क ठगत रहा काहेकि ओकरे पास पहले जानवर क सामने अद्भुत कारजन दिखावइ, क ताकत रही। दूसरा जानवर धरती प रहइवालेन स पहिले जानवर क आदर देइके ओकर मूर्ति बनावइ क कहेस। जउन तलवार क मार स घायल रहा पर मरा नाहीं। 15दूसरे जानवर क इ ताकत दीन्ह ग रही कि उ पहिले जानवर क मूर्ति मँ जान फूँके देइँ जइसे कि मूर्ति पहिले जानवर क तरह बोलइ लागइ, हिआँ तक कि ओनका मारइ क आग्या दइ देइ जउन कि मूर्ति क पूजा नाहीं करतेन।

16–17दूसरा जानवर सभी लोगन का छोटा-बड़ा, धनी-गरीब, मालिक-दास, पुत्र, अउर गुलाम सबका मजबूर करेस कि अपने दहिने हाथे प या दहिने माथे प उ जानवर क नाउँ या ओकरे नाम स जुड़ी छाप क छाप लगवावइँ। 17जइसे कि बिना उ छाप क कउनउ चीज न तउ खरीदी जाय सकइ अउर न तउ बेची जाइ सकइ। 18बुद्धिमानी ऐहिमाँ अहइ जेहमा बुद्धि होइ, उ जानवर क संख्या क हिसाब लगाइ लेइ काहेकि उ संख्या क सम्बन्ध कउनउ मनई स अहइ। ओकर संख्या अहइ 666।

छुट्टा मनइयन क गाना

14 फिन मइँ देखेउँ कि मोरे समन्वा सिय्योन पर्वत प मेमना खड़ा अहइ। ओकरे साथे 144,000 मनई खड़ा रहेन जेकरे माथे प ओकर अउर ओकरे बाप क नाम लिखा रहा। [2]फिन मइँ एक आकासबाणी सुनेउँ ओकर महानाद एक विसाल जल-प्रपात क तरह रहा या भयंकर बादर क गरजइ क तरह रहा। जउन महानाद मइँ सुनेउँ रहा, उ तमाम वीणा बादकन क बजावा वीणा स पइदा संगीत क तरह रहा।

[3]उ सबेन्ह सिंहासन चारउँ प्रानीयन अउर बुजुर्गन क सामने एक ठु नवा गाना गावत रहेन। जउने 144,000 मनइयन क धरती प फिरौती दइके बन्धन स छुड़ाइ लीन्ह ग रहा, जउने क कउनउ मनई उ गाना क नाहीं सिख सकत रहा। [4]उ अइसेन मनई रहेन जउन कि कउनउ स्त्री क संसर्ग स अपन का दूसित नाहीं किए रहेन साथ जुड़ा नाहीं रहेन, उ पचे कुँवारा रहेन, जहाँ जहाँ मेमना जात रहा ओकर पीछा करत रहेन। पूरी मनइयन क जाति स ओनका फिरौती दइके बंधन स छुटाकारा देय दियाइ दीन्ह ग रहा। उ पचे परमेस्सर अउर मेमना क बदे फसल क पहिला फल रहेन। [5]उ कबहुँ झूठ नाहीं बोले रहेन, अउर निर्दोस रहेन!

तीन सरगदूत

[6]फिन मइँ आसमान मँ ऊँची उड़ान भरत एक अउर सरगदूत देखेउँ। ओकरे लगे धरती प रहइ वालेन, हर देस, जाति, भाखा अउर सभी कुल क मनइयन क बदे अनन्त सुसमाचार क एक संदेस रहा। [7]ऊचीं आवाज मँ उ बोला, "परमेस्सर स डेराअ अउर ओकर स्तुति करा। काहेकि ओकरे निआव क समइ आइ ग अहइ। ओकर आराधना करा जे आसमान, धरती, समुद्दर, अउर जल-स्त्रोत क बनाएस।"

[8]एकरे बाद ओकरे पाछे एक अउर सरगदूत आवा अउर बोला, "ओकर पतन होइ चुका अहइ! महान नगरी बाबुल क पतन होइ चुका अहइ। उ सब जातिन क अपने पइदा अनैतिक व्यभिचार स परमेस्सर क गुस्सा क वासना भरी दाखरस पिआएस।"

[9]उ दूइनउँ क बाद फिन अउर एक सरगदूत आवा अउर जोर स बोला, "जदि केहू उ जानवर अउर जानवर क मूर्ति क पूजा करत ह अउर अपने हाथे मँ माथे प ओकर मोहर लगवाए रहत ह। [10]अउर उ भी परमेस्सर क गुस्सा क दाखरस पिई। अइसी सुद्ध तीखी दाखरस जउन परमेस्सर क गुस्सा क कटोरिया मँ बनाई ग अहइ। उ मनई क पवित्तर सरगदूतन अउर मेमनन क सामने धधकत गंधक मँ यातना दीन्ह जाई। [11]जुग जुग तलक ओनकी यातना स धूँआ उठत हमेसा रही। अउर जउने पे जानवर क नाउँ क छाप छपी रही अउर उ जानवर अउ ओकर अउर ओकरी मूर्ति क पूजा करत रही, ओनका दिन रात कबहूँ चइन न मिली।" [12]इ ही क माने है कि परमेस्सर क पवित्तर लोग क धीरज अउर सहनसीलता धरइ क जरूरत अहइ जउन परमेस्सर क हुकुमन अउर ईसू मँ बिसवास क पालन करत हीं।

[13]फिन एक अकासबाणी क मइँ इ कहत सुनेउँ, "एका लिखा: धन्य अहइ उ सबइ मृतक जउन अबसे पर्भू मँ मरस्थित होइके अहइँ।"

आतिमा कहत ह, "हाँ, इ ठीक अहइ। ओनका मेहनत क कारण आराम मिली काहे बदे कि ओनकर काम, ओनके साथे अहइ।"

धरती क फसल क कटनी

[14]फिन मइँ देखेउँ कि मोरे समन्वा हुवाँ एक सफेद बादर रहा। अउर उ बदरे प एक ठु मनई बइठा रहा जउन मनई क पूत जइसेन दीख पड़त रहा। उ अपने माथे प एक सोने क मुकुट धारण करे रहा अउर ओकरे हाथे मँ एक तेज हँसिया रही।

[15]तबहिं मंदिर मँ स एक ठु अउर सरगदूत बाहेर निकला। उ बदरे प बइठे मनई स जोर क आवाज मँ कहेस, "हँसिया चलावा अउर फसल एकट्ठी करा, काहे बदे कि फसल काटइ क समइ आइ ग अहइ। धरती क फसल पक चुकी अहइ।" [16]इ बदे जउन बदरे प बइठा रहा, उ धरती प आपन हँसिया हिलाएस अउर धरती क फसल काट लीन्ह गइ।

[17]फिन सरग क मंदिर मँ स एक अउर सरगदूत बाहेर निकला ओकरे लगे भी एक तेज हँसिया रही।

[18]उही समइ प वेदी स एक अउर सरगदूत आवा। उ सरगदूत का आगी पर अधिकार रहा। उ सरगदूत स जोर क आवाज मँ कहेस, "अपने जोरदार हंसिया क चलावा अउर धरती क बेल स अंगूर क गुच्छा उतार ल्या काहे बदे कि एकर अंगूर पक चुका अहइँ।" [19]इ बदे उ सरगदूत धरती प आपन हँसिया झुलाएस अउर धरती क अंगूर उतारि लिहेस अउर ओनका परमेस्सर क भयंकर कोप क विसाल रसकुण्ड मँ डाइ दिहेस। [20]अंगूर सहर क बाहेर क धानी मँ रौंद क निचोड़ लीन्ह गएन। धानी मँ स खून बहै लाग। खून घोड़ा क लगा क जेतना ऊपर चढ़ि गवा अउर लगभग तीन सौ किलोमीटर क दूरी तक फैल गवा।

आखिरी विनास क सरगदूतन

15 अकास मँ फिन मइँ एक अउर महान अचरज भरी निसानी देखेउँ। मइँ देखेउँ कि सात सरगदूतन अहइँ जउन सात आखिरी महाविनास लिए भए अहइँ। इ सबइ आखिरी विनास अहीं, काहे बदे कि एकरे साथेन परमेस्सर क गुस्सा खतम होइ जाई। [2]फिन मोका आग स मिला कांच क समुद्दर जइसा देखाई पड़ा। अउर मइँ

देखे कि उ पचे उ जानवर क मूरत प अउर ओनके नाउँ स जुड़ी संख्या प जीत हासिल कइ लिहे अहइँ, ओनहू कांच क समुद्दर प खड़ा अहइँ। उ पचे परमेस्सर क दीन्ह गइ वीणा लिहे रहेन। 3उ पचे परमेस्सर क सेवकन मूसा अउर मेमना क इ गाना गावत रहेन:

"जउन काम तू करत रहत ह्या उ सबइ महान
अहइँ। तोहार काम करइ क ताकत
अचरजभरी अउर अनन्त अहइ हे
सर्वसक्तिमन पर्भू परमेस्सर तोहार मार्ग धर्म
संगत अउर सच्चे अहइँ। तू सब जातिन क
राजा अह्या,
4 हे पर्भू, तोहसे मनई हमेसा डेरात रहिहइँ तोहार
नाउँ लइके, मनई स्तुति करिहइँ काहे बदे
कि तू अकेले पवित्तर अहा। तोहरे समन्वा
सब रास्ट्रन अहइँ अउर तोहार आराधना
करिहइँ। काहे बदे कि इ बात अउर पता
चलि ग अहइ तू जउन करत ह्या, उहइ,
निआव अहइ।"

5एकरे बदे मइँ देखेउँ कि सरग क मंदिर मतलब करार क तम्बू क खोला गवा 6अउर उ पचे सातंउ सरगदूतन जेनके लगे आखिरी सात महामारी रहिन, मंदिर स बाहर आएन। उ पचे चमकीले साफ मलमल का कपरा पहिने रहेन। अपने सीना प सोने क पटका बांधे रहेन। 7फिन उ चार प्रानियन मँ स एक उ सातंउ सरगदूतन क सोना क कटोरा दिहेस जउन हमेसा हमेसा क बदे अमर परमेस्सर क गुस्सा स भरा रहेन। 8उ मंदिर परमेस्सर क महिमा अउर ओकरे सक्ति क धुँअन स भरा रहा जइसे कि जउ तक ओन सात सरगदूतन क सात महामारी पूरा न होइ जाइँ, तब तलक मंदिर मँ कउनउ घुसइ न पावइ।

परमेस्सर क गुस्सा क कटोरा

16 फिन मइँ सुनेउँ कि मंदिर मँ स एक जोर क आवाज ओन सात सरगदूतन स कहत अहइ, "जा अउर परमेस्सर क गुस्सा क सातउ कटोरन क धरती प उड़ेर द्या।"

2इ बदे पहिला सरगदूत गवा अउर उ धरती प आपन कटोरा उड़ेर दिहेस। एकइ नतीजा इ भवा कि उ मनई जेनके ऊपर जानवर क निसानी छपी रही अउर जउन ओकरी मूर्ति क पूजा करत रहेन, क ऊपर भयानक पीड़ा पइदा करइ वाले छाला फूट आएन।

3एकरे बाद दूसर सरगदूत आपन कटोरा समुद्दर मँ उड़ेर दिहेस अउर समुद्दर क पानी मरे भए मनई क खून मँ बदल गवा अउर समुद्दर मँ रहइवाले सब जीव जन्तु मरि गएन।

4फिन तिसरा सरगदूत नदियन अउर पानी क झरनन प आपन कटोरा उड़ेर दिहेस अउर उ खून मँ बदल गएन 5उही समइ प मइँ जल क सरगदूत क इ कहत सुनेउँ:

"तू ही अहा उ, जउन पुव्यातिमा! जउन अहइ,
जउन रहा सदा-सदा स तू ही अहा जउन
अहइ एक ही पवित्तर, करत भए निआव
ओनकर,
6 ओन सबन पवित्तर लोगन अउर नबियन
क खून बहाए अहइ। तू ओनका पिअइ क
बदे केवल खून दिह्या। काहे बदे कि ओन
इही क काबिल रहेन।"

7फिन मइँ वेदी स आवत आवाज सुनेउँ:

"हाँ, सर्वसक्तिमान पर्भू परमेस्सर, तोहार निआव
सच्चा अउर उचित अहइ।"

8फिन चौथा सरगदूत आपन कटोरा सूरज क ऊपर उड़ेर दिहेस। इ तरह ओका मनइयन क आग स जलावइ क ताकत दइ दीन्ह गइ। 9अउर मनई भयानक गरमी स झुलसइ लागेन। उ परमेस्सर क नाउँ क कोसइ लागेन, काहे बदे कि इन जेका महामारीन प क अधिकार अहइ। मुला उ पचे आपन मनफिरावा नाहीं। किहेन अउर न जिन्दगी क बदलेन अउर परमेस्सर क महिमा किहेन। 10एकरे बाद पँचवा सरगदूत आपन कटोरा उ जानवर क सिंहासन प उड़ेर दिहेस अउर ओकर राज अंधेरे मँ डूब गवा। सब मनई तकलीफ क आपन जीभ काट लिहेन। 11आपन आपन पीड़ा अउर छालन क कारण उ सरग क परमेस्सर क निन्दा तउ करइ लागेन मुला आपन मनफिरावा नाहीं किहेन।

12फिन छठवां सरगदूत आपन कटोरा फरात नाउँ क महानदी प उड़ेर दिहेस अउर ओकर पानी सूख गवा। एहसे पूरब दिसा क राजन क बदे रास्ता तैय्यार होइ गवा। 13फिन मइँ देखेउँ कि उ भयंकर अजगर क मुँहे स, उ जानवर क मुँह स, अउर कपटी नबियन क मुँहसे तीन दुस्ट आतिमन निकलिन, जउन मेढ़क क तरह दिखाई पड़त रहिन। 14इ सब दुस्ट क आतिमन रहिन अउर ओनके मँ अद्भुत कारजन कहइ क ताकत रही। उ पूरी दुनिया क राजा लोगन मँ सबसे सर्वसक्तिमान परमेस्सर क महान दिन, युद्ध करै क बदे एकट्ठा करइ क निकल पड़िन।

15"सावधान! मइँ चोर क समान आवत हउँ! उ धन्य अहइ जउन जागत रहत ह अउर अपने कपरन क अपने साथे रखत ह जइसेन कि उ नंगा न घूमइ अउर मनई ओका लज्जित होत न देइँ।"

16इ तरह स उ दुस्ट आतिमन ओन राजन क एकट्ठा
कइके उ जगह प लइ आइन जउने क इब्रानी भाखा मँ
हर मगिदोन कहा जात ह।
17एकरे बाद सातवाँ सरगदूत आपन कटोरा हवा मँ
उड़ेर दिहेस! अउर सिहांसन स पइदा भवा एक भयंकर
आवाज मंदिर मँ स इ कहत निकरी, "इ खतम होइ
गवा!" 18तबहिं बिजली कउंधइ लाग, आवाज क अउर
गरजन भवा अउर एक ठु जर्बदस्त भूचाल आइ गवा।
मनई क धरती प प्रकट होइ क बाद क इ सबसे भयानक
भूचाल रहा। 19उ बड़ा सहर तीन टुकड़न मँ बिखर गवा,
अउर अधर्मियन क राष्ट्रन क नगरन नस्ट होइ गए।
परमेस्सर महानगरी बाबुल क दण्ड देइ क बदे याद करे
रहा। आपन भयंकर प्रकोप का कटोरा मँ स ओका दइ
दिहेस। 20सब द्वीप गायब होइ गएन। कउनउ पहाड़ तक
क पता नाहीं चल पावत रहा। 21पचास पचास किलो क
ओला, आसमान स मनइयन क ऊपर बरसइ लागेन।
ओलन क भयंकर विपत्ति क कारण सब मनई परमेस्सर
क कोसत रहेन, काहे बदे कि इ भयानक आफत रही।

जानवर प बइठी स्त्री

17 एकरे बाद ओन सात सरगदूतन, जउने क लगे
कटोरा रहेन, ओहमाँ स एक ठु मोरे लगे आवा
अउर बोलास, "आवा, मइँ तोहका तमाम नदियन क
किनारे बइठी उ महान वेस्या क दीन्ह जाइवाला दण्ड
देखाई। 2धरती क राजा ओकरे साथ सम्बन्ध बनाएन।
अउर जउन मनई धरती प रहत हीं, उ पचे ओकरी
विलास मदिरा स मतवाला होइ गएन।"
3फिन मइँ आतिमा क कहे क मान कीन्ह अउर उ
सरगदूत मोका बीहड़ जंगल मँ लइ गवा जहाँ मइँ एक
स्त्री क लाल रंग क एक अइसे जानवर प बइठा देखेउँ
जउने प परमेस्सर क बरे गारी लिखी गइ रही। ओकरे
सात मूँड़ रहेन अउर दस सींग रहेन। 4उ स्त्री बइजनी
अउर लाल रंग क कपरा पहिने रही। उ सोने, बेसकीमती
रत्नन अउर मोतिअन स सजी रही। उ अपने हाथ मँ
सोने क एक कटोरा लिहे रही जउन बुरी बातन अउर
वेस्यापन क बुराई स भरा रहा। 5ओकरे माथे प एक
निसानी रही जेहकर गुप्त अरथ अहइ:

महान बाबुल क सबइ क महतारी वेस्या
अउर धरती प होइवाली सब बुराईन क
पइदा करइवाली।

6मइँ देखेउँ कि उ स्त्री परमेस्सर क पवित्तर लोगन
क खून पिए रही जउन ईसू क बदे अपने बिसवास क
साच्छी क बदे आपन प्रान छोड़ दिहेन।
ओका देखके मइँ बड़े अचरज मँ पड़ गएउँ। 7तबइ
उ सरगदूत मोसे पूछेस, "तू अचरज मँ काहे पड़ा अहा?
मइँ तोहका इ स्त्री क अउर जउने जानवर प उ बइठी
अहइ, ओकरे प्रतीक क समझावत अहउँ। सात सिर
अउर दस सींगवाला इ जानवर 8जउन तू देखे अहा,
पहिले कबहूँ जिन्दा रहा, मुला अब जिन्दा नाहीं अहइ।
फिन उ पताल स अबहीं निकरइवाला अहइ। अउर
तबहिं ओकर विनास होइ जाई। फिन धरती क उ मनई
जउने क नाउँ दुनिया क सुरुआतइ स जीवन क पुस्तक
मँ नाहीं लिखा ग अहइ, उ जानवर क देखके चकित
होइहीं काहे बदे कि उ जिन्दा रहा, मुला अउर जिन्दा
नाहीं अहइ, मुला फिन उ आवइवाला अहइ।
9"इहइ उ जगह आटइ जहाँ बुद्धिमान मनइयन क
बुद्धि क जरूरत अहइ। इ सात सिर, उ सात पर्वत अहीं
जउने प उ स्त्री बइठी अहइ। उ सात सिर, उ सात राजन
क प्रतीक अहइ। 10जउने मँ स पहिले पाँच क पतन होइ
चुका अहइ, एक ठु अबे राज करत अहइ अउर दूसर
अब तक आइ नाहीं बा। मुला जब उ आई तब उ बहुत
कम समइ तलक रुकी। 11उ जानवर जउन पहिले कबहूँ
जिन्दा रहा, मुला अउर जिन्दा नाहीं अहइ, खुदइ अठवाँ
राजा अहइ जउन ओन सातउ मँ स एक अहइ, ओकइ
बिनास होइवाला अहइ। 12जउन दस सींग तू देखे अहा, उ
दस राजा अहीं, उ पचे अबहिं तलक आपन सासन सुरु
नाहीं करे अहइँ मुला जानवर क साथे एक घण्टा क बदे
ओनका सासन करइ क अधिकार दीन्ह जाई। 13इ दसउ
राजन क एक्कइ उद्देस्य रहा कि उ आपन ताकत अउर
आपन अधिकार उ जानवर क दइ देइँ। 14उ मेमना क
खिलाफ लड़ाई लड़िहइँ मुला मेमना अपने बोलाए, अपने
स चुने अउर अपने बिसवासियन क साथ मिलके ओनका
हराइ देई। काहे बदे कि उ अउर पर्भूओं क पर्भू अउर
राजा लोगन क राजा अहइ!"
15उ सरगदूत मोसे फिन कहेस, "उ सबइ नदियन
जउने क तू देखे रह्या, जहाँ उ वेस्या बइठी रही, तमाम
खानदानन, समुदायन, जातियन, अउर भाखन क प्रतीक
अहइ। 16उ दस सींग जउने क तू देख्या, अउर उ जानवर
उ वेस्या स नफरत करिहइँ अउर ओकर सब चीज
छीनके ओका नंगी छोड़ देइहइँ। उ ओकर सरीर क
खाइ जइहइँ अउर ओका आगी मँ जलाय देइहइँ। 17आपन
प्रयोजन पूरा करइ क बदे परमेस्सर ओनके सबनके
एक राय कइके, ओनके मन मँ इ बइठाइ दिहे अहइ,
जइसे कि जब तक परमेस्सर क बचन पूरा न होइ जाइ,
तब तक सासन करइ क आपन अधिकार उ जानवर
क सौंप देइँ। 18उ स्त्री जउने क तू देखे रह्या उ महानगरी
रही, जउन धरती क राजन प सासन करत ह।"

बेबीलोन क नास

18 एकरे बदे मइँ एक अउर सरगदूत क अकास स
बड़ी भव्यता स नीचे उतरत देखेउँ। ओकरी महिमा
स समूची धरती चमकइ लाग।

2जउने जोरदार आवाज स पुकारत उ बोला:

"मट गइ! बेबीलोन महानगरी मट गइ! उ दुस्ट
आतिमन क रहस्य क घर बन गइ रही, उ
असुद्ध मनइयन क आत्मा क बसेरा बन गइ
रही, अउर नफरत करइ लायक चिड़ियन
क घर बन गइ रही। उ तमाम गन्दा, निन्दा
करइ लायक जानवरन क बसेरा बन गइ
रही।
3 काहेकि उ सबको व्यभिचार का क्रोध क
मदिरा पिआए रही। जउने इ दुनिया क राजा
क खुदइ जगाए रही, ओकरे साथे व्यभिचार
करे रहेन सासक लोग। अउर ओनके भोगइ
स इ दुनिया क धनी ब्यापारी बना रहे।"

4अकास स मइँ एक अउर अवाज सुनेउँ जउन कहत रही:

"अरे, मोर मनइयन? तू उ सहर स बाहर
निकर जा, ओनके पापन्ह क कतहूँ तू गवाहन
न बनब्या, कतहूँ अइसा न होइ, कि जउन
ओके नास रहेन, तोहरेन ऊपर न गिर जाइँ
5 काहे बदे कि ओकरे पाप क गठरी आसमान
तक ऊँची अहइ। परमेस्सर ओकरे बुरा काम
क याद करत अहइ।
6 अरे! जइसेन कि उ तोहरे साथे करे रहा,
वइसेन तू भी ओनके साथ करा उ तोहरे
साथे जइसेन करे रहा, तू ओकर दुगुना ओकरे
साथे करा, दूसरे क बदे उ तोहका जउने
कटोरा मँ तीत दाखरस पिआए रह्या, तू
ओका ओसे दुगुना तीत दाखरस पिआवा।
7 काहे बदे कि उ खुदइ क जउन महिमा
अउर वैभव दिहेस, तू ओका यातना कहर
अउर पीड़ा द्या। काहे बदे कि उ खुद स
कहति रही ह, 'मइँ खुदै राजा क आसन प
बइठी महरानी अहउँ, मइँ विधवा न करबइ,
इ बदे सोक न करा।'
8 इही बदे जउन नास होइ क तय होइ ग अहइ,
उ एक ही दिन मँ ओका घेर लेइहँ। महामृत्यु,
महारोदन अउर उ दुर्भिक्ष भीसण अउर कइ
देइहइँ ओनका जलाय क राख, काहे बदे
कि परमेस्सर पर्भू बहुत ताकतवर अहइ,
अउर ओनही ओकर निआव करत अहइ।"

9जउ धरती क राजा जउन ओकरे साथ यौन-पाप करे रहेन अउर ओकरे भोग विलास मँ हिस्सा बटाए रहेन, ओकरे जल जाइ क धुँआ जउ देखिहइँ तउ ओकरे बदे रोइहइँ अउर चिल्लहइँ। 10उ पचे ओकरे कस्ट स डेराइके हुवाँ स बहुत दूर खड़ा रहिहइँ:

"ओ! ताकतवर नगर बेबीलोन! भयावह अउर
भयानक हाय! तोहार दंड तोहका तनिक देर
मँ मिल गवा।"

11इ धरती क व्यौपारी ओकरे कारन रोइहइँ अउर चिल्लइहइँ काहे बदे कि ओनके कउनउ चीज केउ अउर मोल न लेई, 12न तउ केहू कउनउ चीज लेइ –सोने क, चांदी क, बेसकीमती रत्न, मोती, मलमल, बैंजनी, रेसमी अउर किरमिजी कपरा हर तरह क महकउआ लकड़ी, हाथी क दांत क बनी तमाम चीज, अनमोल लकड़ी, कांसा, लोहा अउर संगमरमर सी बनी तमाम चीज,

13दारचीनी, गुलमेंहदी, महकोरा धूप, रसगन्धक, लोहबान, दाखरस, जैतून क तेल, मैदा, गोहूँ मवेसी, भेड़ी, घोड़ा अउर रथ, दास अउर मनई क सरीर अउर आतिमा-क व्यापारिन कहिहइँ:

14 "अरे बेबीलोन! उ सब चीजन अच्छी स अच्छी,
जउने मँ तोहार दिल रम ग रहा, तोहका
छोड़के सब चली गइ अहइ। तोहार बहुमूल्य
अउर बहुमूल्य वस्तुअन तोहरे हाथ स चली
गइन ह।"

15उ व्यौपारी जउन एकइ सबकइ व्यौपार करत रहेन अउर एहसे धनी बन ग रहेन, उ दूर खड़ा रहिहइँ काहे बदे कि उ कस्ट स डेराइ ग अहइ। उ रोअत चिल्लात 16कहिहइँ:

"केतना डरावना अहइ अउर केतना भयानक
अहइ, महानगरी इ उही क बदे अहइ। जउन
नीक नीक मलमली कपरा पहनत रही, जउने
रंग बैजनी अउर किरमिजी रहा! अउर जउन
सोने स सजत रही, बेसकीमती रत्नन स,
सजी मोतियन स
17 अउर इ सारी सम्पत्ति तनिक देर मँ मिट
गइ।"

फिन जहाज क हर कप्तान या हर उ मनई जउन जहाज स चाहे जहाँ कहूँ जाइ सकत ह अउर सबइ मनई जउन समुद्र स आपन जीविका चलावत हीं, उ नगरी स दूर खड़ा रहेन

18अउर जउ उ पचे ओकरे जरे स उठत धुँआ क उठत भए देखेन तउ जोर स चिल्लाइ उठेन, "इ बड़ी नगरी क तरह अउर कउन नगरी अहइ?"

19फिन उ पचे आपने मूँड़े प धूल डावत जोर स चिल्लानेन, अउर कहेन:

"महानगरी! हाय, इ केतनी भयानक अहइ! उ रोअत अउर सोक मनावत भए कहेन: हाय हाय! महान नगरी जेकरे सम्पत्ति स सब जहाजवाले धनवान होइ गए रहेन! अब घंटा भर ही मँ उजर गई।
20 हे सरग, प्रेरितन! अउर नबीयन! ओकरे बदे खुसी मनावा, परमेस्सर क लोगन खुसी मनावा! काहेकि परमेस्सर ओका उही तरह दण्ड दइ दिहेन जइसेन दण्ड उ तोहका दिहे रहा।"

21फिन एक ताकतवर सरगदूत चक्की क पाट जइसी एक जबर क चट्टान उठायेस अउर ओका समुद्दर मँ फेंकत कहेस,

"महानगरी! अरी बेबीलोन महानगरी! तोहका क इही गति स बलपूर्वक फेंक दीन्ह जाई, अउर तू नस्ट होइ जाबू, फिन स मिल न पउबू।
22 अउर तुझमाँ बीणा बादकन, संगीतज्ञन बांसुरी बजावइ वालन अउर तुरही फूँकइ वालन का स्वर फिन कबहुँ सुनाई पड़ी, न कउनो कला क सिल्पी तोहरे मँ पावा जाई न तोहमाँ कउनो चक्की क आवाज सुनाइ देई
23 अउर कबहूँ फिन दिया क ज्योति न चमकी, अउर न तउ कबहूँ फिन दुल्हा दुलहिन क मीठी आवाज गूँजी। तोहरे न व्यौपारी जे दुनिया महान लोगन मँ स रहेन तोहार जादूगरी जाति भरमाई गइन रहीं।
24 इ नगरी मँ नबियन क खून बहावा पावा ग रहा, अउर परमेस्सर क पवित्तर मनइयन क लहू बहावा ग रहा, अउर उ सबहिं जेका इ धरती प बलि चढ़ाइ दीन्ह ग रहा।"

सरग मँ परमेस्सर क स्तुति

19 एकरे बाद मइँ सरग क भीड़ स उच्च स्वर मँ आवाज आवत सुने रह्यो:

"हल्लिलूय्याह! परमेस्सर क जय होइ! जय होइ! महिमा अउर समर्थ हमेसा मिलइ!
2 ओकर निआव सच्चे अउर धर्ममय अहइ। उ बड़ी वेस्या क उ निआव करेस, जउन आपन व्यभिचार स इ धरती क भ्रस्ट कइ दिहे रही, अपने दासन क मउत क बदला लइ लिहेस।"
3ओनन्ह फिन कहेन्ह:

"हल्लिलूय्याह! ओसे धुँआ जुग जुग तक उतरत रहा।"

4फिन चौबीसउँ बुजुर्गन अउर चारउ प्रानिअन सिहांसन प बइठा परमेस्सर क झुकके प्रणाम करेन अउर ओकर आराधना करत गावइ लागेन:

"आमीन, हल्लिलूय्याह!"

5सिंहासन स फिन एक आवाज आइ जउन कहत रही:

"ओ ओकर सेवकन! तू सबे हमरे परमेस्सर क स्तुति करा, अउर अपने सब लोगन का चाहे बड़ा होइ या छोट सबइ क इज्जत करत रहा!"

6फिन मानो मइँ एक विसाल जनसमूहे क अवाज सुनेउँ जउन कि भयंकर पानी क बहाव अउर बदरन क जोरदार गरजइ-तरजइ क अवाज जइसे रही। कहत रही:

"हल्लिलूय्याह! जय होइ ओकर, काहे बदे कि हमार पर्भू परमेस्सर, सर्वसक्ति स पूरा होइके राज्य क ताकतवर बनावत अहइ।
7 इ बदे आवा, आनन्द खुसी मनावा। आवा, ओका महिमा देइ। काहे बदे कि अउर मेमना क बियाह क समइ आइ गवा अहइ। ओकर दुलहिन सजी धजी तैयार होइ गइ।
8 ओका आज्ञा मिली अहइ, साफ सफेद निर्मल मलमल पहन ल्या।"

(इ मलमल परमेस्सर क पवित्तर लोगन बढ़िया कामन क प्रतीक अहइ।)

9फिन उ मोसे कहइ लाग, "लिखा, उ धन्य अहइ जेनका इ बियाह क भोज मँ बोलावा ग अहइ।" उ मोसे फिन कहिस, "इ परमेस्सर क सच्चा वचन अहीं।"

10अउर मइँ ओकर आराधना करइ क बदे ओकरे पाँव प गिर पड़ेउँ। मुला उ मोसे कहेस, "सावधान! अइसा न करा। मइँ तउ तोहरे अउर तोहरे भाइयन क साथी परमेस्सर क साथी सेवक अहउँ जउने पर ईसू क साच्छी क भविस्सबाणी की आतिमा अहइ। अउर प्रचार क जिम्मेदारी अहइ। परमेस्सर क आराधना करा, काहे बदे कि ईसू क प्रमाणित संदेस इ बात क साच्छी अहइ कि ओहमाँ एक नबी क आतिमा अहइ।"

सफेद घोड़ा क सवार

11फिन मइँ सरग क खुलत देखेउँ अउर हुवाँ मोरे
समन्वा एक सफेद घोड़ा रहा। घोड़े प जउन बइठा रहा
ओका बिसवासनीय अउर सत्य कहा जात रहा काहे बदे
कि उ निआव धार्मिकता स निर्णय करत ह। 12ओकर
आँखी अइसी रहीं जइसे आगी क लपट होइँ। ओकरे मूँड़े
पइ बहुत स मुकुट रहेन। ओकरे ऊपर एक नाउँ लिखा
रहा, जेका ओकरे अलावा अउर केहू नाहीं जानत। 13उ
अइसा कपरा पहिने रहा जउने क खून मँ डुबोवा ग रहा।
ओका नाउँ दीन्ह रहा, "परमेस्सर क वचन"। 14सफेद
घोड़न प बइठी सरग क सेना ओकरे पीछे-पीछे चलत
रहिन। उ साफ सफेद मलमल क कपरा पहिने रहा।
15रास्ट्रन क मारइ क बदे ओकरे मुँहे स एक तेज धार
क तलवार बाहेर निकरत रही। उ ओकरे ऊपर लोहे
क दण्ड स सासन करी। अउर सर्वसक्तिमान पर्भू परमेस्सर
क भयानक गुस्सा क धानी मँ अंगूर क रस निचोड़ी।
16ओकरे वस्त्र अउर जाँघ पर इ नाउँ लिख रहा:

राजन क राजा, अउर पर्भूअन क पर्भू।

17एकरे बाद मइँ देखेउँ कि सूरज क ऊपर एक
सरगदूत खड़ा अहइ। उ ऊंचे अकास मँ उड़इवाली सबहिं
चिड़ियन स जोर क अवाज स कहेस, "आवा, परमेस्सर
क महाभोज क बदे एकट्ठा होइ जा। 18जइसे कि तू
सासकन, सेनापतियन, मजदूर आदमियन, घोड़न अउर
ओनके सवारन क मांस खाइ सका। अउर सब मनई
छोट-बड़ा आदमियन अउर खास आदमियन क सरीर
खाइ सका।"

19फिन मइँ उ जानवर क अउर धरती क राजन क
देखेउँ ओनके संग ओनकइ सेना रही। उ पचे उ एक
घोड़ा क सवार अउर ओकरी सेना स युद्ध करइ एक
साथे आइके जुट गएन। 20उ जानवर क पकड़ा गवा।
ओकरे साथ उ झूठा नबी भी रहा जउन जानवर की
उपस्थिति मँ अद्भुत कारजन देखावा करत रहा अउर
ओनका ठगत रहा जउने प उ जानवर क छाप लगी रही
अउर जउन ओकरी मूर्ति क आराधना करत रहेन। उ
जानवर क अउर झूठे नबी, दुइनउँ क जलत गंधक क
भभकत झील मँ जिन्दइ डाल दीन्ह गवा। 21घोड़ा क
सवार क मुँह स जउन तलवार निकरत रही, बाकी क
सैनिक ओसे मार डावा गएन। फिन चिड़ियन मिलके
ओकर माँस खाइके अघाइ गइन।

हजार साल

20 फिन अकास स मइँ एक सरगदूत क नीचे
उतरत देखेउँ। ओकरे हाथ मँ पाताल क चाभी
अउर एक बड़ी संकरी रही। 2उ पुरान महासांप क
पकड़ लिहेस जउन कि दैत्य यानी सइतान आटइ फिन
ओका एक हजार साल क बदे संकरी मँ बांध दिहेस।
3तउ उ सरगदूत ओका अथाह कुंड मँ डाल कर बन्द
करिके परदार सांपे प मुहर लगाइ दिहेस जेहसे जब
तलक हजार साल पूरा न होइ जाइ, उ कउनउ मनई क
धोखा न दइ सकइ। हजार साल पूरा होइ जाइ क पाछे
ओका कछू समइ क बदे छोड़ा जाइ क अहइ।

4फिन मइँ कछू सिंहासन देखेउँ जउने प कछू मनई
बइठा रहेन। ओनका निआव करइ क अधिकार दीन्ह
ग रहा। अउर मइँ ओनकी आतिमा क देखेउँ जेनके
सिर, उ सच्चाई क कारण, जउन ईसू स प्रमाणित अहइँ,
अउर परमेस्सर क संदेस स, काट दीन्ह ग रहेन, जे उ
जानवर या ओकरी मूर्ति क कबहूँ पूजा नाहीं करे रहेन।
जे अपने माथे प या अपने हाथे प ओकर निसानी कबहूँ
धारण नाहीं किहे रहेन। उ पचे फिन स जिन्दा होइ गएन
अउर उ मसीह क साथ एक हजार साल तक राज
करेन। 5बाकी मनई हजार साल पूरा होइ गए प फिन स
जिन्दा नाहीं भएन। इ पहिला पुनरुत्थान आटइ। 6उ धन्य
अहइ अउर पवित्तर अहइ, जउन पहले पुनरुत्थान मँ
भाग लेत अहइ। एन पइ दूसरी मृत्यु क कउनो अधिकार
नाहीं अहइ। इ आदमियन प दूसरी मउत क कउनउ
अधिकार नाहीं मिला अहइ। पर उ पचे तउ परमेस्सर
अउर मसीह क आपन याजकन होइहइँ अउर ओकरे
साथे एक हजार साल तक राज करिहइँ।

7फिन एक हजार साल पूरा होइ जाए प सइतान क
ओकरी जेल स छोड़ दीन्ह जाई। 8अउर उ समूची धरती
प फइली राष्टन क छलइ क बदे निकल पड़ी। उ गोग
अउर मागोग क छली। उ ओनका लड़ाई क बदे एकट्ठा
करी। उ ओतनइ अनगिनत होइहीं जेतना कि समुद्दर क
तट क रेतकण अहइँ।

9सइतान क सेना समूची धरती प फैल जाई अउर उ
परमेस्सर क लोगन क छावनी अउर ओनकर प्यारी
नगरी क घेर लेई। मुला आग जउन सरागे से उतरी
अउर ओनका निगल जाई, 10एकरे पाछे उ सइतान क
जउन ओनका धोखा-देत रहा ह, भभकत गंधक क
झील मँ फेंक दीन्ह जाई जहाँ उ जानवर अउर झूठा नबी
दुइनउँ डाला ग अहइँ। ओनका हमेसा हमेसा क बदे रात
दिन तड़पावा जाई।

दुनिया क मनइयन क निआव

11फिन मइँ एक जबरदस्त सफेद सिंहासन कइँती
ओह प विराजमान जे रहा, ओका देखेउँ। ओकरे सामने
स धरती अउर आकास भाग खड़ा भएन। ओनका पता
नाहीं चल पावा। 12फिन मइँ छोट अउर बड़ा मृतक
मनइयन क देखेउँ। उ पचे सिहांसन क आगे खड़ा रहेन।
कछू किताब खोली गइन। फिन एक अउर किताब खोली
गई। उ रही जीवन क किताब अउर ओन किताबन मँ
लिखी गई बातन क आधार पर मृतकन का न्याय ओनके

कामन क अनुसार कीन्ह गया। 13जउन मृतक मनइयन समुद्दर मँ रहेन, ओनका समुद्दर दइ दिहेस, अउर मृत्यु लोक अउर अधोलोक आपन आपन मृतक मनइयन क सौंप दिहेन। हर एक क निआव ओनके कर्मन क अनुसार कीन्ह गवा। 14एकरे बाद मउत क अउर अधोलोक क आग क झील मँ झोंक दीन्ह गवा। इ आग क झील दूसरी मउत आटइ। 15जउ कउनो मनई क नाम जीवन क पोथी मँ न मिली तउ उहू क आग क झील मँ ढकेल दीन्ह गवा।

नवा यरूसलेम

21 फिन मइँ एक नया सरग अउर नई धरती देखेउँ। काहे बदे पहिला सरग अउर पहली धरती खतम होइ ग रहेन। अउर कब क समुद्दरउ नाहीं रहा। 2मइँ यरूसलेम क उ पवित्त नगरी नवा यरूसलेम क आकास स बाहर निकरिके परमेस्सर कइँती स नीचे उतरत देखेउँ। उ नगरी क अइसे सजावा ग रहा जइसे कउनो दुलहिन क ओकरे पति स मिलइ क बरे सजावा ग होइ। 3तबइ मइँ आकास मँ एक जोरदार आवाज सुनेउँ। उ कहत रही, "देखा अउर परमेस्सर क मंदिर आदमियन क बीच मँ अहइ अउर उ ओनही क बीच मँ रही। उ पचे ओकर लोग रइहीं अउर परमेस्सर ओनकइ परमेस्सर होइहइ। अउर खुदइ परमेस्सर ओनकइ परमेस्सर होइहइ। 4ओनकी आँख क एक एक आँसू उ पोंछ डाई। अउर हुवाँ अउर न तउ कबहूँ मउत होई न सोक इ बजह स केहू क रोवइ धोवइ क न पड़ी। काहे बदे कि उ सब पुरानी बात अब खतम होइ चुकी बाटिन।"

5एकरे ऊपर जउन सिंहासन प बइठा रहा, उ बोला, "देखा मइँ सब कछू नवा कइ देत अहउँ।" उ फिन कहेस, "एका लिख ल्या काहे बदे कि इ वचन बिसवास लायक अहइ अउर इ सच्चा अहइ।"

6फिन उ मोसे बोला, "सब कछू पूरा होइ चुका अहइ। मइँ अलफा अहउँ अउर मइँ ओमेगा अहउँ। मइँ आदि अहउँ अउर मइँ अन्त अहउँ। जउन मनई जे पिआसा अहइ, मइँ ओका जीवन-जल क झरना स सेंत-मेत मँ खुले मन स जल पिआउब। 7जउन विजयी होई, उ सब चीज क मालिक बनी। मइँ ओकर परमेस्सर होब अउर उ मोरे पूत होई, 8मुला कायरन, अबिसवासियन, मूर्खन, हत्यारन, व्यभिचारन, जादू-टोना करइवालेन, मूर्ति क पूजा करइवालेन अउर झूठ बोलइ वालेन क भभकत गंधक क जलत झील मँ आपन हिस्सा बँटावइ क होई। इ दूसरी मउत आटइ।"

9फिन उ सात सरगदूतन मँ स एक, जेनके लगे सात आखिरी विनास क कटोरा रहेन, एक ठु आगे आवा अउर मोसे बोला, "हिआँ आवा! मइँ तोहका उ दुलहिन देखाइ देइ जउन मेमना क दुलहिन अहइ।" 10अबहीं मइँ आतिमा क आवेस मँ रहे कि उ मोका एक विसाल अउर ऊँचे पर्वत प लइ गवा। फिन उ मोका यरूसलेम क पवित्तर नगरी क दर्सन कराएस। उ परमेस्सर क तरफ स आकास स नीचे उतरत रही। 11उ परमेस्सर क महिमा स चमकत रही। उ बिल्कुल निर्मल यसब नामक महामूल्ययवान रत्नन तरह चमकत रही। 12नगरी क चारिहुँ कइँती एक बड़ा क ऊँचा परकोटा रहा जेहमाँ बाहर दरवाजा रहेन। उ बारहउ दरवाजन प बारह सरगदूत रहेन। अउर बारहौ दरवाजा प इस्राएल क बारह कुलन क नाउँ छपा रहेन। 13एहमाँ स तीन दरवाजा पूरब क तरफ रहेन, तीन दरवाजा उत्तर कइँती तीन दरवाजा दच्छिन कइँती अउर तीन दरवाजा पच्छिम कइँती रहेन। 14नगर क परकोटा बारह नीव प बनावा ग रहा अउर ओनके ऊपर मेमना क बारह प्रेरितन क नाउँ छपा रहेन।

15जउन सरगदूत मोसे बतियात रहा, ओकरे लगे सोना क बनी नापइ क एक छड़ी रही जउने स उ नगर क फाटक अउर परकोटा क नाप सकत रहा। 16नगर क वर्गाकार बसावा ग रहा। इ जेतना लम्बा रहा, ओतना चौड़उ रहा। उ सरगदूत उही छड़ी स नगर क नापेस। ओकर लम्बाई करीब 12हजार स्टोडिया पाई गइ। ओकर लम्बाई, चौड़ाई अउर उँचाई एकइ तरह रही। 17सरगदूत फिन ओकरे परकोटे क नापेस। उ करीब 144 हाथ रहा। ओका मनई क हाथन क लम्बाई स नापा ग रहा जउन हाथ सरगदूतन क हाथ अहइ। 18नगर क परकोटा यसब नाम क रत्नन क बना रहा अउर नगर क कांच क तरह चमकत सुद्ध सोना स बनावा ग रहा। 19नगर क परकोटे क नींव हर तरह क बेसकीमती रत्नन स सुसज्जित रहिन। नींव क पहला पाथर यसाब क बना रहा, दूसरा नीलम स, तीसर स्फटिक स, चौथा पन्ना स, 20पाँचवा गोमेद स, छठा मानक स, सातवाँ मणि स, आठवाँ पेरोज स, नवाँ पुखराज स, दसवाँ लहसनिया स, ग्यारवाँ धूम्रकान्त स, अउर बारहवाँ चन्द्रकान्ता मणि स बना रही। 21बारहउँ दरवाजा, बारह मोतियन स बना रहेन, हर दरवाजा एक एक मोती स बना रहेन। नगर क गलियन साफ कांच जइसे सुद्ध सोने क बनी रहिन।

22नगर मँ मइँ कउनउ मंदिर नाहीं देखाई पड़ा। काहे बदे कि सबसे सर्वसक्तिमान पर्भू परमेस्सर अउर मेमना ओकर मंदिर मँ रहेन। 23उ नगर क कउनउ सूरज या चांद क जरूरत नाहीं रही जउन ओका रोसनी देइ काहे बदे कि उ परमेस्सर क महिमा स खुदइ प्रकासित रहा। अउर मेमना उ नगर क दिया आटइ। 24सब जातियन क मनई इही दीपक क रोसनी क सहारे आगे बढ़िहइँ। अउर इ धरती क राजा आपन सुन्दरता इ नगर मँ लइ अइहीं। 25दिन क समइ एकर दरवाजा कबहूँ बन्द न होइहइँ अउर हुवाँ रात तउ कबहूँ होइ न करी। 26जातियन क वैभव अउर धन सम्पत्ति क उ नगर मँ लिआवा जाई। 27कउनो गन्दी चीज ओहमाँ घुसइ न पाई। अउर न तउ

लज्जा भरा काम करइवालेन अउर झूठ बोलइवालेन ओहमाँ घुसइ न पइहइँ। ओहमाँ ओनहीं मनई घुसइ पइहइँ जउने क नाउँ मेमना जीवन क पुस्तक मँ लिखा अहइ।

22 एकरे बदे उ सरगदूत मोका जीवन देइवाली पानी क एक नदी देखाएस। उ नदी स्फटिक क तरह चमकत रही उ परमेस्सर अउर मेमना क सिहांसन क निकरत भइ [2]नगर क गलियन स होत भइ बहत रही। नदी क दुइनउँ किनारे प जीवन पेड़ उगा रहेन। ओनके ऊपर हर साल बारह बार फल लगत रहेन। एकरे हर एक पेड़ प हर महीना एक फसल लगत रही अउर इ पेड़न क पत्तियां तमाम रास्ट्रन क रोग दूर करइ क बदे रहिन। [3]हुवाँ कउनउ तरह क कउनउ स्राप नाहीं होई। इस नगर मँ परमेस्सर अउर मेमना क सिंहासन हुवाँ बना रही। अउर ओकर नौकर ओनकइ आराधना करिहइँ, [4]अउर ओकर मुख देखिहीं अउर नाउँ ओकरे माथे प होइ। [5]हुवाँ कबहूँ रात न होइ। अउर न तउ सूरज अथवा दीपक क रोसनी क कउनउ जरूरत पड़ी। काहे बदे कि ओनके ऊपर पर्भू परमेस्सर आपन रोसनी उ डइहइँ अउर उ हमेसा सासन करिहइँ।

[6]फिन सरगदूत मोसे कहेस, "इन बचनन का बिसवास करइ लायक अउर सच्चा अहइँ। नबियन क, आतिमा क, परमेस्सर पर्भू, परमेस्सर क सेवकन क, जउन कछू जल्दी घटइवाला अहइ, ओका जतावइ क बदे आपन सरगदूत भेजे अहइ।"

[7]"सुना! मइँ जल्दी आवइ वाला अहउँ। उ पचे धन्य अहइँ, जउन इ किताब मँ दीन्ह उ बचनन क पालन करत हीं जउन भविस्सबाणी अही।"

[8]मइँ यूहन्ना अहउँ। मइँ इ बात सुनेउँ अउर देखे अहउँ। जब मइँ इ बात देखेउँ सुनेउँ तब उ सरगदूत क चरनन मँ गिर क मइँ ओकर आराधना कीन्ह जउन मोका इ बात देखावत रहा। [9]उ मोसे कहेस, "सावधान, तू अइसा न करा! काहे बदे कि मइँ तउ तोहार, तोहरे भाई नबियन क उन लोगन जउन इ किताब मँ लिखा बचनन क पालन करत हीं, एक साथी नउकर अहउँ। बस परमेस्सर क आराधना करा!" [10]उ मोसे फिन कहेस, "इ किताब मँ जउन भविस्सबाणी दीन्ह गइ अहइँ, ओनका छिपाय क न रखा, काहे बदे कि इ बातन क घटित होइ क समइ करीबइ अहइ। [11]जउन बुरा कारज करत चला आवत अहइँ, उ बुरा करत रहइँ जे गन्दा करत अहइँ, उ गन्दा करत रहइँ। जे धर्मी अहइँ, उ धरम का कारज ही करत रहइँ।

[12]"देखा! मइँ जल्दी आवइवाला अहउँ! सबही मनइयन क ओनके कर्मन क अनुसार देइ क प्रतिफल मोरे पास अहइ। [13]उ मइँ अलफा अहउँ अउर मइँ ओमेगा अहउँ। मइँ पहिला अहउँ अउर मइँ आखिरी अहउँ। मइँ आदि अहउँ अउर मइँ अन्त अहउँ।

[14]"उ पचे धन्य अहइँ जउन अपने कपड़न क धोइ लेत हीं। ओनका जीवन-पेड़ क खाइ क अधिकार होई। ओन दरवाजन स होइके नगर मँ घुसइ क अधिकारी होइहइँ। [15] मुला 'कुत्ता', जादू-टोना करइवाले, व्यभिचारी, मूरत क पूजइवाले, या झूठ स पिरेम अउर ओनपइ अचरज करत अहइँ बाहेर रहिहीं।

[16]"खुदइ मइँ ईसू, तोहरे पचे क बदे, अउर कलीसियन क बदे इ बातन क साच्छी देइ क बदे आपन सरगदूत भेजेउँ। मइँ दाऊद क परिवार क बंसज अहउँ। मइँ भोर क दमकत तारा अहउँ।"

[17]आतिमा अउर दुलहिन कहत ह, "आवा!" अउर जउन व्यक्ति एका सुनत ह, उहउ कहइ, "आवा!" अउर जउन व्यक्ति पिआसा होइ उहउ आवइ अउर जे चाहे उहउ इ जीवन देइवाली जल क उपहार क बिना मूल्य क ग्रहण करइ।

[18]मइँ सपथ खाइके ओन मनइयन क बदे चेतावनी देइत अहउँ जउन इ किताब मँ लिखा भविस्सबाणी क वचनन क सुनत हीं: एहमा स जब कउनउ अउर कछू जोड़ देइ तउ इ किताब मँ लिखा महाविनास परमेस्सर ओकरे ऊपर ढाई।

[19]अउर जउ नबियन क लिखी इ किताब मँ स कउनो सब्दन मँ स घटाई तउ परमेस्सर इ किताब मँ लिखा जीवन पेड़ अउर पवित्तर नगरी मँ स ओकर भाग ओसे छीन लीन्ह जाई।

[20]ईसू जउन इ बातन क साच्छी अहइ, उ कहत ह, "हाँ! मइँ जल्दी आवत अहउँ।"

आमीन! पर्भू ईसू आवा।

[21]पर्भू ईसू क अनुग्रह सबके साथ रहइ।

License Agreement for Bible Texts

World Bible Translation Center
Last Updated: September 21, 2006

Copyright © 2006 by World Bible Translation Center
All rights reserved.

These Scriptures:

- Are copyrighted by World Bible Translation Center.
- Are not public domain.
- May not be altered or modified in any form.
- May not be sold or offered for sale in any form.
- May not be used for commercial purposes (including, but not limited to, use in advertising or Web banners used for the purpose of selling online add space).
- May be distributed without modification in electronic form for non-commercial use. However, they may not be hosted on any kind of server (including a Web or ftp server) without written permission. A copy of this license (without modification) must also be included.
- May be quoted for any purpose, up to 1,000 verses, without written permission. However, the extent of quotation must not comprise a complete book nor should it amount to more than 50% of the work in which it is quoted. A copyright notice must appear on the title or copyright page using this pattern: "Taken from the HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™ © 2006 by World Bible Translation Center, Inc. and used by permission." If the text quoted is from one of WBTC's non-English versions, the printed title of the actual text quoted will be substituted for "HOLY BIBLE: EASY-TO-READ VERSION™." The copyright notice must appear in English or be translated into another language. When quotations from WBTC's text are used in non-saleable media, such as church bulletins, orders of service, posters, transparencies or similar media, a complete copyright notice is not required, but the initials of the version (such as "ERV" for the Easy-to-Read Version™ in English) must appear at the end of each quotation.

Any use of these Scriptures other than those listed above is prohibited. For additional rights and permission for usage, such as the use of WBTC's text on a Web site, or for clarification of any of the above, please contact World Bible Translation Center in writing or by email at distribution@wbtc.com.

World Bible Translation Center
P.O. Box 820648
Fort Worth, Texas 76182, USA
Telephone: 1-817-595-1664
Toll-Free in US: 1-888-54-BIBLE
E-mail: info@wbtc.com

WBTC's web site – World Bible Translation Center's web site: http://www.wbtc.org

Order online – To order a copy of our texts online, go to: http://www.wbtc.org

Current license agreement – *This license is subject to change without notice. The current license can be found at:* http://www.wbtc.org/downloads/biblelicense.htm

Trouble viewing this file – If the text in this document does not display correctly, use Adobe Acrobat Reader 5.0 or higher. Download Adobe Acrobat Reader from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/readstep2.html

Viewing Chinese or Korean PDFs – To view the Chinese or Korean PDFs, it may be necessary to download the Chinese Simplified or Korean font pack from Adobe. Download the font packs from:
http://www.adobe.com/products/acrobat/acrrasianfontpack.html